शिक्षक संदर्शिका

कक्षा–3

हिन्दी

2024-25

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

शिक्षा का अधिकार
समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

शिक्षक संदर्शिका निर्माण समिति

प्रकाशक : हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

प्रकाशन वर्ष : 2024

संकल्पना एवं निर्माण : एस.सी.ई.आर.टी., हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, शैक्षणिक प्रकोष्ठ और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

दिशाबोध :

- डॉ. जी. अनुपमा, आई.ए.एस. अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- श्री जितेंद्र कुमार, आई.ए.एस. निदेशक, स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्, स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- श्री रिप्पूदमन सिंह ढिल्लो, आई.ए.एस. निदेशक, प्राथमिक शिक्षा स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा
- डॉ. धीर झिंगरन, निदेशक, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

प्रबंधकीय मार्गदर्शन :

- श्री कुलदीप मेहता, सहायक निदेशक अकादमिक शाखा (शैक्षणिक प्रकोष्ठ)
- डॉ. प्रमोद कुमार, कार्यक्रम अधिकारी अकादमिक शाखा (शैक्षणिक प्रकोष्ठ)

अकादमिक परामर्श एवं मार्गदर्शन :

- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरुग्राम
- डॉ. धीर झिंगरन, निदेशक, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन
- रमेश चन्द्र, निदेशक (अकादमिक), लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

सामग्री निर्माण एवं समीक्षा समूह :

- अलीमुद्दीन खांन, हीना परवीन, आनन्द द्विवेदी, राजिन्दर सिंह, जयदीप वैष्णव (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन)

विभागीय समीक्षा समूह : एफ.एल.एन. (FLN) प्रकोष्ठ

समन्वयन :

- डॉ. प्रमोद कुमार, कार्यक्रम अधिकारी अकादमिक शाखा
- विक्रम पाल, सीनियर प्रोग्राम मैनेजर (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन) हरियाणा
- अलीमुद्दीन खांन, अकादमिक लीड (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन) हरियाणा

चित्रांकन : हबीब अली, निखिल खत्री, निलेश गहलोत, अबीरा बंदोपाध्याय, सुशांत दास

लेआउट एवं ग्राफिक डिजाइन : प्रेमचन्द सैनी, जयपुर (राजस्थान)

मुद्रक :

शिक्षकों के लिए

हम सभी जानते हैं कि बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ–साथ सीखने के लिए अनुकूल एंव उत्साहजनक परिवेश का होना भी आवश्यक है। बच्चे अपने आस–पास उपलब्ध सन्दर्भ और परिवेश से भाषाई अनुभव लेते रहते हैं, परन्तु बहुत से भाषाई कौशलों का विकास केवल परिवेशीय अनुभव से नहीं होता है। इन कौशलों का विकास व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से करना होता है। विद्यालय वो जगह है जहाँ बच्चे न केवल अपनी मौखिक भाषा को समृद्ध करते हैं बल्कि ज़रूरी पठन और लेखन सम्बन्धी कौशलों को भी विकसित करते हैं।

बच्चों में भाषा एवं गणितीय बुनियादी कौशलों के विकास के लिए देश में निपुण भारत मिशन चल रहा है। हरियाणा में भी स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, गुरूग्राम के नेतृत्व में निपुण हरियाणा मिशन चल रहा है। इस अभियान में सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सी.एस.एफ.) और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) संस्थाओं द्वारा अकादमिक और तकनीकी सहयोग दिया जा रहा है। मुझे खुशी हो रही है कि स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् के नेतृत्व और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, गुरुग्राम के तकनीक सहयोग से लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन की अकादमिक टीम ने बच्चों के भाषा विकास को सुनिश्चित करने के लिए उत्कृष्ट शिक्षण सामग्री का निर्माण किया है। साथ ही शिक्षकों की मदद के लिए शिक्षक संदर्शिका भी बनाई है। इस शिक्षक संदर्शिका में शिक्षकों के लिए वो सभी दिशा–निर्देश विस्तार–पूर्वक दिए गए हैं जो उन्हें सामग्री के उपयोग और गतिविधियों के संचालन में मदद करेंगे। संदर्शिका में भाषा शिक्षण की रूपरेखा, साप्ताहिक/दिवसवार, शिक्षण कार्य–योजना, पाठ योजनाएँ और सीख आकलन योजना को भी शामिल किया गया है, जो शिक्षक को व्यवस्थित शिक्षण कार्य संचालन में मदद करेंगी।

सभी शिक्षक साथियों को मेरा सुझाव है कि इस शिक्षक संदर्शिका को ठीक से पढ़कर समझ लें और भाषा शिक्षण की योजना बनाने में इसकी नियमित मदद लें। मेरा विश्वास है कि यह संदर्शिका आपके लिए एक शिक्षक सहयोगी की भूमिका निभायेगी। मुझे आशा है, आप इस शिक्षक संदर्शिका की मदद से बच्चों के साथ शिक्षण सामग्री का गुणवत्तापूर्ण उपयोग करेंगे, जिससे हम बच्चों के बुनियादी कौशल विकास के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर पायेंगे।

धन्यवाद

निदेशक

प्राथमिक शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग,

हरियाणा

विषय सूची

क्र.सं.	विषयवस्तु	पृ.सं.
1	संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेतों का विवरण	i
2	संदर्शिका का उपयोग	1
3	निपुण हरियाणा	3
4	सीखने-सिखाने के सिद्धांत एवं मान्यताएँ	4
5	सीखने की परिकल्पना	5
6	कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की रणनीति	6
7	कक्षा-3 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024-25)	10
8	कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा	11
9	कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सामग्री का विवरण	11
10	शिक्षण की वार्षिक योजना	12
11	साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा	13
12	पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तिका पर कार्य की रणनीति	14
13	गतिविधियों पर कार्य कैसे करें?	15
14	मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन की गतिविधियाँ	16
15	अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन लेखन गतिविधियाँ	30
16	पठन गतिविधियाँ	33
17	आकलन एवं पुनरावृत्ति	36
18	साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना	41
19	दैनिक शिक्षण योजना के नमूने	65
20	साप्ताहिक आकलन ट्रैकर	84
21	प्रवाहपूर्ण पठन आकलन ट्रैकर	86
22	स्किल पासबुक (सावधिक आकलन-1 और 2 ट्रैकर, वार्षिक आकलन ट्रैकर)	88
23	प्रिंट-रिच वातावरण	91
24	कक्षा-कक्ष प्रबंधन	92

संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेत (Icon) का विवरण

	पृष्ठ संख्या
	दिवस/पाठ/गतिविधि का उद्देश्य
	शिक्षण योजना
	गतिविधि के चरण
	साप्ताहिक आकलन (मैंने सीख लिया)
	पुनरावृत्ति/रेमेडियल कार्य
	मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक पर कार्य
	डिकोडिंग/अभ्यास पुस्तिका पर कार्य
	पठन/अभ्यास पुस्तिका पर कार्य
	निर्धारित समय
	शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा
	तैयारी और सामग्री
	ध्यान देने योग्य बातें
	शिक्षक या बच्चे का कथन
	कैलेंडर (सप्ताह/दिवस)
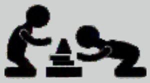	गतिविधि

संदर्शिका का उपयोग

शिक्षक संदर्शिका कक्षा-3 में भाषा शिक्षण करवाने वाले शिक्षकों के शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने में इस्तेमाल के लिए तैयार की गयी है। इस संदर्शिका में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के अंतर्गत शिक्षण प्रक्रिया की विभिन्न गतिविधियों के बारे (क्या, क्यों और कैसे) में विस्तार से बताया गया है। कक्षा शिक्षण में कक्षा प्रबंधन, कक्षा का वातावरण इत्यादि की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। अत: इन बिन्दुओं को भी संदर्शिका में शामिल किया गया है। शिक्षक संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षकों के लिए कार्यक्रम के उद्देश्य, भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांत एवं अकादमिक सत्र 2024-25 के लिए निर्धारित की गई दक्षताओं पर शिक्षण कार्य करने की रणनीति, शिक्षण गतिविधि और सामग्री के उपयोग को विस्तार से प्रस्तुत करना है।

संदर्शिका का उपयोग प्रभावी रूप से कैसे कर सकते हैं? आइये, इसे समझें :

पूरी संदर्शिका की विषयवस्तु को समझना

शिक्षक संदर्शिका को एक बार ठीक से पढ़ लें। संदर्शिका पढ़ते समय अपने लिए नोट जरूर बना लें। शिक्षण कार्यशाला के दौरान इस संदर्शिका का उपयोग किया जाएगा।

↓

कार्यक्रम के सैद्धांतिक पहलुओं को समझना

पृष्ठ 3 से 9

संदर्शिका के सैद्धांतिक भाग को पहले पढ़ लें, ताकि आगे बताए गए कार्यों को समझने में आसानी हो। इस भाग में कार्यक्रम की एप्रोच और सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

कार्यक्रम के अधिगम लक्ष्य और भाषा शिक्षण की रणनीति को समझना

पृष्ठ 10 से 14

इस वर्ष के लिए तय वार्षिक लक्ष्य, वार्षिक और साप्ताहिक योजना, सामग्री इत्यादि के बारे में बताया गया है। इनको ही आधार बनाकर आगे की दैनिक योजनाएँ तैयार की गई हैं।

आकलन और पुनरावृत्ति

पृष्ठ 36 से 40

पृष्ठ 84 से 90

इस भाग में बच्चों के सीखने के स्तर के आकलन की रणनीति बताई गई है। आकलन के बाद बच्चों के स्तर में सुधार के लिए किस तरह पुनरावृत्ति कार्य किये जाएँ, इसका विवरण दिया गया है। इसके साथ ही आकलन के आधार पर बच्चों की उपलब्धि दर्ज करने के लिए साप्ताहिक आकलन, सावधिक आकलन एवं वार्षिक आकलन ट्रैकर और प्रवाहपूर्ण पठन की गति और स्तर को दर्ज करने के लिए ट्रैकर दिए गए हैं (सावधिक आकलन, साप्ताहिक आकलन और प्रवाहपूर्ण पठन की गति को दर्ज करने के लिए तालिका संदर्शिका के अंत में दी गई हैं)।

कक्षा शिक्षण के लिए साप्ताहिक/दैनिक योजना और संबंधित गतिविधियों पर कार्य

पृष्ठ 15 से 35

पृष्ठ 41 से 64

यह इस संदर्शिका का सबसे अहम भाग है। इस भाग को पहले समझ लें और फिर शिक्षण प्रक्रिया के दौरान दैनिक योजना और गतिविधियों का उपयोग करें। अकादमिक वर्ष 2024-25 में 24 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन के अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना में विभाजित किया गया है।

- दिन की शुरुआत में पहले उस दिन की दिवसवार योजना देखें।
- योजना के अनुसार प्रत्येक गतिविधि के लिए सामग्री और अन्य तैयारी कर लें।
- गतिविधि के लिए बताए गए चरणों और शिक्षण योजना का अनुसरण करें।
- गतिविधि के दौरान और बाद में अनौपचारिक आकलन या समीक्षा अवश्य करें।
- गतिविधि के अंत में ट्रैकर वाले कॉलम में अपना हस्ताक्षर और दिनाँक दर्ज करें।

कक्षा शिक्षण के लिए योजना का नमूना

पृष्ठ 65 से 83 इस भाग में शिक्षण योजना के कुछ उदाहरणों को शामिल किया गया है।

प्रिंट-रिच और कक्षा प्रबंधन

पृष्ठ 91 से 92 यहाँ शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए बेहतर कक्षा प्रबंधन और प्रिंट-रिच वातावरण निर्माण के बारे में बताया गया है।

- कक्षा प्रक्रिया के दौरान इस संदर्शिका को अपने पास रखें। कक्षा में जाने से पूर्व योजना और गतिविधियों के तरीकों को एक बार पढ़ लें।
- ब्लॉक या संकुल स्तर पर होने वाली बैठकों में संदर्शिका अपने साथ जरूर लेकर जाएँ, ताकि अकादमिक चर्चा और संदर्भ के रूप में आप इसका उपयोग कर सकें।

निपुण हरियाणा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बुनियादी एवं संख्या ज्ञान मिशन की स्थापना की गई है। इस मिशन के तहत हमारे विद्यालयों में ऐसा अनुकूल वातावरण बनाने पर ज़ोर दिया गया है, जिसमें बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के सीखने को सुनिश्चित किया जा सके। इसके अंतर्गत, हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा कक्षा-3 के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित शिक्षण-दक्षताओं को प्राप्त कर ले। यह मिशन 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम आवश्यकताओं पर केन्द्रित है। इस मिशन को निपुण भारत (आधारभूत साक्षरता और गणना में कुशलता के लिए राष्ट्रीय पहल) का नाम दिया गया है। हरियाणा राज्य में भी इस मिशन को निपुण हरियाणा के नाम से लागू किया जा रहा है। राज्य में अंग्रेजी को दूसरी भाषा के रूप में मिशन में शामिल किया गया है।

निपुण हरियाणा मिशन का लक्ष्य

इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को 2026-27 तक प्राप्त करने के लिए देश भर में 'मिशन मोड' में काम किया जाएगा। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत 2025-2026 तक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की योजना बनाई है। निपुण कार्यक्रम के वृहत्तर लक्ष्यों को नीचे देखा जा सकता है:

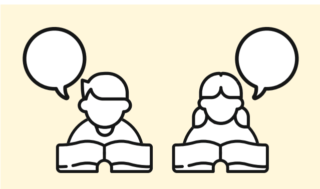

समझ के साथ पढ़ना

बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है 'समझ के साथ पढ़ना'। बच्चा जब किसी पाठ को पढ़कर उसका अर्थ समझने लगे तब माना जाता है कि वह समझ के साथ पढ़ रहा है। समझ के साथ पढ़ने के लिए कुछ बेहद ज़रूरी चरण होते हैं जैसे, ध्वनि जागरूकता, वर्ण पहचान, डिकोडिंग और पठन। इन पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाना आवश्यक है।

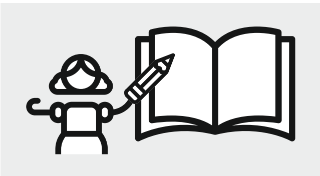

लिखना

समझ के साथ पढ़ने के साथ ही लिखने के कौशल का विकास भी बुनियादी साक्षरता के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है। समझ के साथ लिखने का कौशल विकसित करने के लिए बच्चों को क्रमशः उभरता लेखन, देखकर लिखना, साझा लेखन, रचनात्मक लेखन आदि चरणों से गुज़रना होगा।

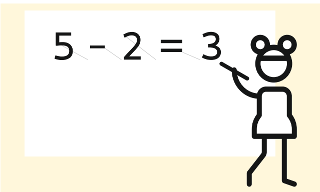

बेसिक गणितीय संक्रिया

बुनियादी गणित में संक्रियाओं की समझ एक महत्वपूर्ण घटक है। जोड़, घटाव, गुणा और भाग केवल संख्याओं का अमूर्त उपयोग नहीं हैं। इन संक्रियाओं का अनुप्रयोग दैनिक जीवन में व्यापक रूप में होता है। ये संक्रियाएँ विषयवस्तु के विश्लेषण, वर्णन और जीवन के संदर्भ में सरल समस्याओं की व्याख्या और समाधान के लिए उपयोगी हैं।

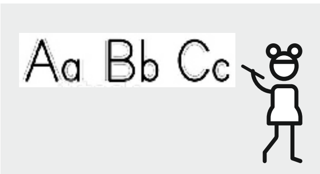

मिशन में अंग्रेजी भाषा

बच्चे अंग्रेजी में छोटे वाक्य स्पष्ट शब्दावली और व्याकरण के नियमों को लागू करके उपयोग कर पायें। वे सहजता के साथ कुछ परिवेशीय विषयों पर शब्दावली ग्रहण कर चुके हों और उन्हें उपयोग करें। साथ ही वे कुछ सरल प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर कम से कम हाँ या नहीं में दे पाएँ।

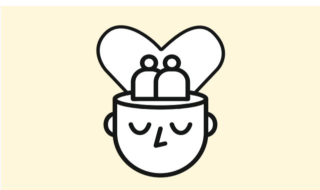

जीवन के बुनियादी कौशल

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत केवल बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पर ही ध्यान केंद्रित नहीं किया गया है बल्कि बच्चों को विद्यालय और घर में ऐसा माहौल देना प्रस्तावित है जिससे वो जीवन जीने के कुछ बुनियादी कौशल भी हासिल कर पाएँ। इसके लिए बच्चों को सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत बनाने की गतिविधियाँ की जाएगी।

सीखने-सिखाने के सिद्धांत एवं मान्यताएँ

सीखने-सिखाने के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं, जो कक्षा-कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

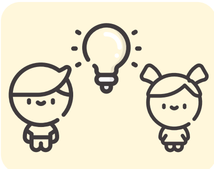

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं :** सभी बच्चों में मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण भी बच्चे सीखने की लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्राय: इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान क्या बच्चे सक्रिय रूप से सहभाग कर पाते हैं।

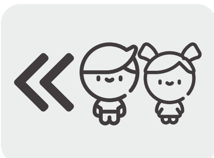

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना :** अगर हम कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया रोचक हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक हैं।

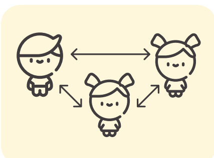

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना :** कक्षा- कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केन्द्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपनी उम्र के साथियों से ज़्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों से/के साथ सीखने के अवसर दिए जाएं तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. **सीखने में बच्चों की मदद करना :** शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में सबसे ज़्यादा समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के बहुत सारे अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षकों को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. **कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना :** यह ज़रूरी है कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षकों और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

6. **सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना :** एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग-अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

7. **सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

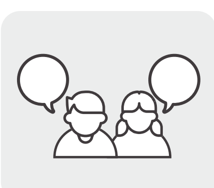

8. **बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं समृद्ध और विस्तृत बातचीत के अवसर देना :** प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज़्यादा अपने घर की भाषा में सहज होते हैं और इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए, उनके घर की भाषा एवं इस चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति-क्षमता और कल्पना-शक्ति का भी विकास होगा।

9. **सतत् आकलन :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत् आकलन बहुत आवश्यक है। सतत् आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सा बच्चा अभी किस स्तर पर है और उसके लिए कौन-सी शिक्षण रणनीति ज़्यादा कारगर होगी।

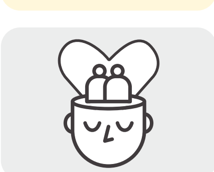

10. **सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम :** अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग-अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा। सामाजिक और भावनात्मक विकास पर विस्तृत चर्चा इस संदर्शिका में आगे की जा रही है।

सीखने की परिकल्पना

बच्चे कैसे सीखते हैं?

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक: 'जन्मजात क्षमता' एवं 'सामाजिक परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव-भाव के साथ घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वे खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं, बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं, जिसे घर की भाषा में मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

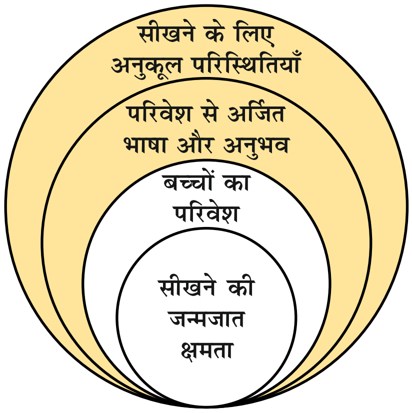

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसे में अगर हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

सीखने की प्रक्रिया

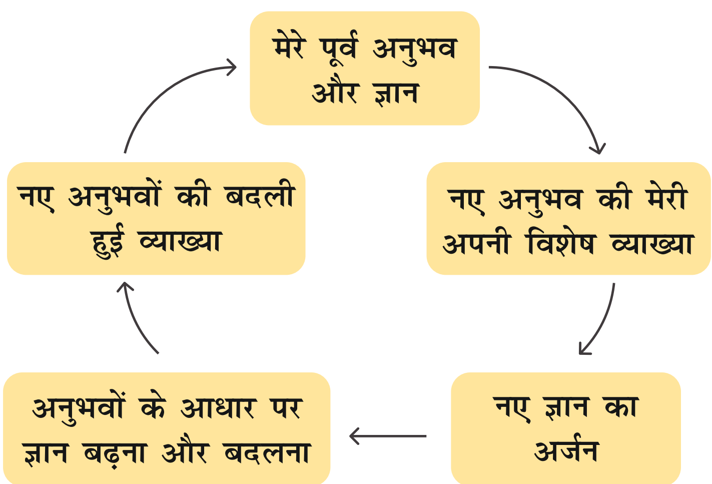

सीखना एक सतत प्रक्रिया है- यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी की बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह, नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए, ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाइयों की पहचान कर सकें। साथ ही, लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएँ। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएंगे या उनमें संशोधन कर, बिल्कुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएँगे। यह उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की रणनीति

संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

इस पद्धति के अंतर्गत भाषा की कक्षा में बच्चों के साथ दैनिक रूप से मौखिक भाषा विकास, पठन, लेखन और डिकोडिंग पर व्यवस्थित रूप से शिक्षण कार्य किया जाता है। यह संतुलन लक्षित दक्षताओं और बच्चों की वैयक्तिक आवश्यकताओं की भिन्नताओं पर आधारित होता है। इन भिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा में विविध प्रकार की स्तरानुसार गतिविधियों और शिक्षण सामग्रियों को सम्मिलित किया जाता है। 'निपुण भारत' और NCF - FS(2022) में भाषा शिक्षण पर कार्य करने के लिए संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के उपयोग पर बल दिया गया है। इस वर्ष के अकादमिक सत्र में इस बात का ध्यान रखा गया है और शिक्षण रणनीति एवं शिक्षण योजनाओं को इस पद्धति के अनुसार बनाया गया है।

प्रवाहपूर्ण पठन और पढ़कर समझना

कार्यशालाओं के दौरान हमने चर्चा की थी कि किसी पाठ को पढ़कर समझने के लिए भाषाई समझ और शब्द-पहचान दोनों तरह के कौशल चाहिए। इसलिए कक्षा में भाषाई कौशल और शब्द-पहचान दोनों तरह के कार्यों में संतुलन हो।

शब्द पहचान (डिकोडिंग) × भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ (अर्थ निर्माण) → समझ के साथ पढ़ना

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण का लक्ष्य है कि सभी बच्चे किसी पाठ को पढ़कर समझ लें और अपनी बात, अनुभव, विचार इत्यादि को 3-4 वाक्यों में लिख लें। ज़्यादातर बच्चे शब्द और छोटे-छोटे पाठों को पढ़ पा रहे हैं। मगर किसी पाठ को पढ़कर समझने के लिए इतना काफी नहीं है। कक्षा-3 में पढ़कर समझने के कौशल को मज़बूत करने पर हमारा ज़ोर है। इसके लिए प्रवाहपूर्ण पठन और पढ़कर समझना के पहलुओं पर कार्य करने की ज़रूरत है।

प्रवाहपूर्ण पठन

प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग के अभ्यास के लिए विशेष पाठ विकसित किए गए हैं, जिन्हें जटिलता के क्रम में रखा गया है। शिक्षक प्रतिदिन 3-5 बच्चों की प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग की क्षमता का आकलन करेंगे, जिससे वे बच्चे अपनी प्रगति को समझ पाएँ और पता कर पाएँ कि किन बच्चों के साथ और ज्यादा काम करने की आवश्यकता है। कक्षा-3 के बच्चों की डिकोडिंग की अपेक्षित गति 60-65 शब्द प्रति मिनट लक्षित है। सप्ताह भर में सभी बच्चों का प्रवाहपूर्ण आकलन सुनिश्चित किया जाना है।

शिक्षक प्रतिदिन 3-5 बच्चों की प्रवाहपूर्ण पठन क्षमता का आकलन करेंगे, जिससे कि वे बच्चों की प्रगति को समझ पाएँ और पता कर पाएँ कि किन बच्चों के साथ और ज्यादा काम करने की आवश्यकता है। कक्षा-3 के बच्चों की प्रवाहपूर्ण पठन की अपेक्षित गति, जो सामान्यत: 60-65 शब्द प्रति मिनट हो सकती है, के लिए शिक्षक की ओर से नियमित आकलन और मदद दी जानी चाहिए। सप्ताह भर के समय में सभी बच्चों का, शिक्षक के समक्ष प्रवाहपूर्ण पठन का आकलन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

(प्रवाहपूर्ण पठन के लिए डिकोडिंग अभ्यास का कक्षा 1 से 3 तक का सफर)

वर्ण/अक्षर पहचानने में सटीकता और गति के लिए अभ्यास → जोड़कर शब्द बनाने और पढ़ने में सटीकता और गति के लिए अभ्यास → डिकोडेबल पाठ के द्वारा अभ्यास → संदर्भ आधारित छोटे-छोटे सार्थक पाठ द्वारा अभ्यास

'प्रवाहपूर्ण पठन' और 'समझते हुए पढ़ना'

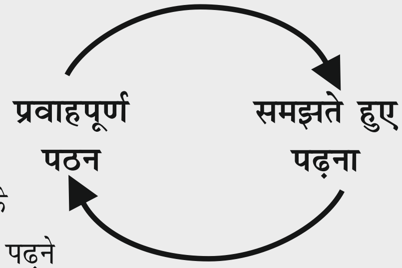

हम पहले भी कई बार ये चर्चा कर चुके हैं कि जब पाठक किसी पाठ को सहज और स्वभाविक तरीके से पढ़ता है, तो उसका ध्यान पाठ से अर्थ निकालने पर केन्द्रित रहता है। सहज और स्वभाविक तरीके से पढ़ने का मतलब पाठ को सटीकता, गति और हाव-भाव के साथ पढ़ पाना है। अगर कोई पाठक शब्दों को डिकोड करने में जूझ रहा होता है तो वह शब्द पढ़ने पर सचेत रूप से ज्यादा ध्यान देता है। इसके कारण वह पाठ को समझने पर अपना ध्यान नहीं लगा पाता। ऐसे में पाठक को बार-बार अपना ध्यान कभी शब्द पहचानने पर और कभी अर्थ-निर्माण के बीच अदलते-बदलते रहना पड़ता है। इसकी वजह से दोनों में से कोई भी प्रक्रिया अच्छी तरह पूरी नहीं हो पाती। इससे ऐसी स्थिति बनती है, जिसमें पाठक पढ़े हुए को समझ नहीं पाते हैं।

प्रवाहपूर्ण पठन के चरण और आकलन की रणनीति से संबंधित विस्तृत विवरण के लिए संदर्शिका के पृष्ठ संख्या 32-33 को देखें।

पढ़कर समझना

पठन के साथ ही समझते हुए पढ़ने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से पढ़कर समझने से जुड़ी रणनीतियों पर कार्य करें। यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि सभी बच्चे समझते हुए पढ़ना सीखें तो प्रारंभिक कक्षाओं से ही पाठ को पढ़ाते समय उस पर ढेर सारी चर्चा की जानी चाहिए और समझते हुए पढ़ने से संबंधित उचित रणनीतियाँ सिखाई जानी चाहिए।

समझते हुए पढ़ने की रणनीतियाँ

कक्षा-3 के अंत तक बच्चा छोटे-छोटे पाठ को समझते हुए पढ़कर अर्थ समझ सके, तार्किक कौशलों का उपयोग कर सके, पाठ के बारे में अपनी राय निर्मित कर, 2 या अधिक वाक्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालने के साथ सामान्य मुहावरों व विभिन्न प्रकार की वाक्य संरचनाओं से अर्थ निर्माण कर सके, कहानी को परिस्थिति, पात्रों, घटनाओं के सही क्रम व सही अंत के साथ पुनः सुनाने में सक्षम हो सके। इन सभी प्रकार के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरे वर्ष शिक्षकों को अपनी कक्षा में समझते हुए पढ़ने की विभिन्न रणनीतियों को स्थान देने की आवश्यकता है-

- अनुमान लगाना
- बच्चों के अनुभव और पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना
- अलग प्रकार के प्रश्न पूछना
- चित्र संयोजक की मदद से चर्चा करना
- सार-संकलन/पुनः सुनाना

कक्षा-3 में बच्चों के डिकोडिंग का आधारभूत कौशल अच्छी तरह से विकसित हो, इसके लिए शिक्षक को पूरा ध्यान और समय देना चाहिए। यही आगे चलकर प्रवाहपूर्ण पठन का आधार का काम करेगा।

अनुमान लगाना

अनुमान लगाने का अर्थ है पाठ पढ़ते हुए अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभव के आधार पर यह सोचते जाना कि पाठ में आगे क्या होगा। अच्छे पाठक हमेशा पढ़ने से पहले और पढ़ने के दौरान अनुमान लगाते चलते हैं। पढ़ने से पहले अगर बच्चे अनुमान लगाने लगें तो उन्हें अपनी सोच केंद्रित करने में मदद मिलती है।

अनुमान पर कार्य कैसे करें?

- **पाठ पढ़ने से पहले:** पाठ शुरू करने से पहले बच्चों का ध्यान पाठ के शीर्षक, चित्र या मोटे फॉन्ट में लिखें हुए शब्दों पर आकर्षित कर सकते हैं और बच्चों से पूछ सकते हैं कि इनके आधार पर वे पाठ के बारे में अनुमान लगाएँ।
- **पढ़ने के दौरान:** कहानी पढ़ने के दौरान बीच में रुककर बच्चों से ज़रूर पूछें- 'तुम्हें क्या लगता है, आगे क्या होगा?' समय-समय पर कहानी बढ़ने के साथ बच्चों की कहानी से अपेक्षाएँ और कल्पनाएँ बदलती रहेंगी और इस तरह बच्चों के अनुमान भी बदल जाएँगे। बच्चों को अपने अनुमान की जाँच करने और उसे बदलने का मौका भी दे सकते हैं।
- **पढ़ने के बाद:** बच्चों से पूछें कि सबने क्या सोचा था या क्या अनुमान लगाया था कि कहानी में क्या होगा और वास्तव में क्या हुआ? बच्चों के अनुमान कितने नज़दीक थे?

बच्चों के अनुभव और पूर्वज्ञान को सक्रिय करना

अच्छा पृष्ठभूमि ज्ञान और पिछले अनुभव नए अर्थ-निर्माण पर गहरा प्रभाव डालते हैं। बच्चों के पूर्वज्ञान को उकसाने वाले प्रश्न पूछने चाहिए। यह न केवल उनके लिए लाभदायक है जो विषय के बारे में कुछ पहले से जानते हैं, बल्कि उन बच्चों के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण है? जिनके पास पहले से कोई जानकारी नहीं। चर्चा में दूसरों की बात सुनकर उन्हें भी नई जानकारी मिलती है और पढ़े जा रहे पाठ से जुड़ने का मौका मिलता है।

अलग प्रकार के प्रश्न पूछना

समझ बढ़ाने के लिए, अच्छे प्रश्न पूछना सबसे शक्तिशाली और कारगर तरीका हो सकता है। शिक्षक जितने ज़्यादा उच्चस्तरीय सवाल पूछते हैं, उन पर बच्चों को सोचने का मौका और समय देते हैं, उतना ही बच्चों की सोच, तर्क करने के कौशल और समझने की क्षमता में सुधार आता है। कुछ प्रश्नों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

1. **पूर्व ज्ञान से जुड़े प्रश्न :** ये प्रश्न बच्चों की कहानी से जुड़े पूर्व ज्ञान को बढ़ाने या मौजूदा पूर्व ज्ञान को जागृत करने में सहायक होते हैं। जैसे, रेगिस्तान का क्या मतलब है? क्या आप में से कोई राजस्थान गया है?

2. **अनुमान लगाने वाले प्रश्न :** ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग संकेतों का उपयोग करते हुए अनुमान लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे- रेत में चलने में क्या-क्या दिक्कतें आती होंगी? ऊँट क्या-क्या खाता होगा?

3. **निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न:** पाठ में जो स्पष्ट रूप से नहीं दिया, उससे जुड़े अनुमान लगाने वाले प्रश्न बच्चों को स्वयं निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, ऊँट कितने दिन तक बिना पानी के रह सकता है?

4. **विश्लेषण तर्क/वितर्क राय देने से जुड़े प्रश्न:** ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग दृष्टिकोण समझने या अपना दृष्टिकोण बताते हुए उससे जुड़े तर्क देने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, अगर रेत गर्म हो तो ऊँट को क्या-क्या परेशानी हो सकती है? क्या ऊँट बारिश में भी चल सकता है?

5. **कल्पनाशीलता को बढ़ाने वाले प्रश्न:** ये प्रश्न बच्चों को कहानी से हटाकर उनकी कल्पना को नई उड़ान देते हैं। जैसे, जब आँधी चलती है तो रेगिस्तान में क्या होता होगा? ऊँट तब भी रेत में चल पाते होंगे?

6. **जीवन से जोड़ने वाले प्रश्न:** ये प्रश्न कहानी को बच्चों से जोड़ने में सहायक होते हैं। जैसे, जब आप कहीं घूमने जाते हैं और आपके पास पानी खत्म हो जाए तो क्या-क्या समस्याएँ आती हैं?

चित्र संयोजक की मदद से चर्चा करना

किसी भी तरह के पाठ (कहानी या जानकारी वाले) की मुख्य जानकारी या अवधारणा के बीच संबंध दर्शाने वाले चित्र होते हैं।

- ये बच्चों को पाठ में दी गई जानकारी को व्यवस्थित करने में मदद करते हैं।
- इसके माध्यम से बच्चों को स्पष्ट हो जाता है कि कौन-सी जानकारी महत्वपूर्ण है और कौन-सी नहीं।
- घटनाओं के क्रम, अवधारणाओं या घटनाओं के बीच संबंध की जानकारी मिलती है।

सार-संकलन/पुनः सुनाना

दोबारा सुनाने और सार-संकलन करने से मौखिक भाषा प्रवाह विकसित करने में मदद मिलती है। इससे कहानी की संरचना के बोध में सुधार आता है, विचारों को व्यवस्थित करने और तथ्यों व सूचनाओं को क्रमबद्ध करने का अभ्यास होता है। साथ ही, व्यक्तिगत व्याख्याएँ करने और समझते हुए पढ़ने की क्षमता में सुधार आता है। बच्चों को सार संकलित करने और कहानियों को फिर से सुनाने के अवसर मिलने चाहिए। बच्चों को प्रश्न बनाने के लिए प्रेरित करना, समझते हुए पढ़ने के दौरान एक कुशल पाठक पाठ के साथ एक तरह का वार्तालाप स्थापित कर लेते हैं। इसलिए कुशल पाठक पढ़ते समय स्वयं से अथवा दूसरों से प्रश्न भी पूछते हैं, यह देखने के लिए कि क्या उनका अनुमान सही है? क्या वे सही समझ रहे हैं, क्या कुछ और है जो उन्होंने नहीं समझा है? इसके लिए बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि वे पढ़ते समय स्वयं प्रश्न करते रहें, चाहे खुद से, अपने जोड़ीदार से, समूह के सदस्यों से, या शिक्षक से। इससे उन्हें अपनी समझते हुए पढ़ने की क्षमता की निगरानी करने में मदद मिलेगी।

कक्षा-3 के लिए लक्षित दक्षताएँ (2024-25)

एक शिक्षक के तौर पर आप यह बेहतर जानते और समझते हैं कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों में कुछ दक्षताओं का विकास करना होता है। ये दक्षताएँ विषयवार अलग-अलग होती हैं और कक्षावार क्रमिक रूप से आगे बढ़ती हैं। कक्षा-3 में भाषा शिक्षण में किन मुख्य दक्षताओं का विकास किया जाना अपेक्षित है। यह नीचे दी जा रही सूची में देखा जा सकता है:

मौखिक भाषा विकास	HIN301	विद्यार्थी एक से अधिक घटनाक्रम एवं पात्रों वाली कहानी सुनकर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं और उसे अपने शब्दों में बता सकते हैं।
	HIN302	विद्यार्थी कहानी/कविता/सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते हैं।
	HIN303	विद्यार्थी कहानी को परिस्थिति, पात्रों, घटनाओं के सही क्रम व सही अंत के साथ पुन: सुना सकते हैं।
	HIN304	विद्यार्थी अपने आस-पास होने वाली घटना/यात्रा एवं त्यौहार संबंधी अपने अनुभवों को हिंदी में 8-10 वाक्यों में बता सकते हैं।
	HIN305	विद्यार्थी अधिक परिष्कृत व जटिल शब्दावली और वाक्य संरचना का इस्तेमाल करते हुए चित्रों पर आधारित किसी कहानी को सुना सकते हैं।
डिकोडिंग	HIN306	विद्यार्थी अपरिचित शब्दों, जिनमें संयुक्ताक्षरों से बने व बहु-अक्षरीय शब्द भी शामिल हैं, को शुद्धता के साथ पढ़ सकते हैं।
पठन	HIN307	विद्यार्थी एक/दो पेज की (18-20 वाक्यों)/तीन/चार पेज की कहानी/पाठ/कविता को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़कर समझ सकते हैं।
	HIN308	विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की सरल पाठ्यसामग्री (चिट्ठी/पत्र, अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को पढ-पढ़कर समझते हैं और उस पर आधाारित प्रश्नों के जवाब मौखिक दे सकते हैं।
	HIN310	विद्यार्थी पढ़ी हुई कहानी/पाठ/कविता पर आधारित प्रश्नों के जवाब 2-3 वाक्यों में दे सकते हैं । (तथ्यात्मक, क्यों एवं कल्पना वाले प्रश्न)
लेखन	HIN309	विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 5-7 वाक्य लिख सकते हैं।
	HIN311	विद्यार्थी 5-7 वाक्यों की छोटी कहानी को सुनकर/पढ़कर अपने शब्दों में लिख सकते हैं।
	HIN312	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, मुहावरों का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं।
	HIN313	विद्यार्थी मिलते-जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।
	HIN314	विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक- इन विराम चिन्हों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।

इन दक्षताओं को अकादमिक सत्र में हासिल करने के लिए शिक्षण योजना बनाई गई हैं, जो इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई हैं। जिसमें विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्रियों को काम में लिया गया है, जो क्रमिक रूप से बच्चों को लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगी। प्रत्येक शिक्षण योजना किसी निर्धारित शिक्षण उद्देश्य पर आधारित है। जैसा कि हमने पहले भी बात की है कि ये शिक्षण योजना 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' पर आधारित हैं। अत: मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन पर साथ-साथ कार्य किया जाएगा।

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा

इस संदर्शिका में 24 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मुख्य रूप से प्रवाहपूर्ण पठन और समझ आधारित गतिविधियों पर बल दिया गया है। बच्चे अपने स्तर के पाठ को पढ़कर समझ सकें। इसके लिए मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन की गतिविधियों को व्यवस्थित किया गया है।

खंड-1	खंड-2	खंड-3
मौखिक भाषा विकास/ पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं सम्बंधित लेखन — 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग से संबंधित पठन एवं लेखन — 40 मिनट	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास — 20 मिनट
गतिविधियाँ	**गतिविधियाँ**	**गतिविधियाँ**
• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पर कार्य • चित्र-कथा पर कार्य व लेखन • सृजनात्मक गतिविधि • कहानी सुनाना/अभिनय	• पुनरावृत्ति वर्ण/अक्षर और मात्रा • पाठ पर आधारित पठन और लेखन की गतिविधियाँ (पढ़कर सुनाना, मार्गदर्शन में पठन और स्वतंत्र पठन)	• आदर्श पठन • मार्गदर्शन में पठन • स्वतंत्र पठन • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
सामग्री	**सामग्री**	**सामग्री**
• झिलमिल-3 पाठ्यपुस्तक • चित्र-कथा चार्ट • सृजनात्मक खेल (शिक्षक संदर्शिका) • बच्चों के लिए नोटबुक, अभ्यास पुस्तिका, पेंसिल रंग आदि • कहानी संकलन 'नानी कहे कहानी' (कक्षा-1 से)	• ग्रिड कार्ड (कक्षा-2 से) • अभ्यास पुस्तिका भाग-1 • श्रुतलेख के लिए नोटबुक	• झिलमिल-3 पाठ्यपुस्तक • अभ्यास पुस्तिका भाग-2 में दिए पठन अभ्यास • कहानी की किताबें • बरखा सीरीज की किताबें

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में आने वाली सामग्री का विवरण

पाठ्यपुस्तक

राज्य की पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3 का उपयोग कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

अभ्यास पुस्तिका

कक्षा-3 के सभी बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिका '(नई) महक' उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग डिकोडिंग, पठन और लेखन के लिए किया जाएगा।

चित्र-कथा चार्ट

कक्षा-3 के लिए कुल 8 चित्र-कथा चार्ट उपलब्ध रहेंगे। इनका उपयोग बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

शिक्षक संदर्शिका

शिक्षकों के लिए संदर्शिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग दैनिक योजना, गतिविधियों का विवरण, कार्य के चरण व शिक्षण कार्य के निर्देशों को समझने के लिए किया जाएगा।

नोटः यदि चित्र-कथा चार्ट उपलब्ध नहीं है तो आप चित्र-कथा स्वयं से बना सकते हैं या फिर पुस्तकालय से शब्द रहित चित्र पुस्तकें प्रयोग में ला सकते हैं।

शिक्षण की वार्षिक योजना

सप्ताह संख्या	किए जाने वाले काम का विवरण
सप्ताह 1-8 तक	• कक्षा-2 की दक्षताओं का दोहरान (सप्ताह 1 से 4 तक वर्ण मात्रा) • पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3 के पाठों पर काम • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
सप्ताह 9-10 तक	• पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3 के पाठों पर काम प्रवाहपूर्ण पठन का अभ्यास एवं आकलन पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास
सप्ताह 11 सावधिक आकलन-1	• सप्ताह 10 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन
सप्ताह 12-19 तक	• पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3 के पाठों पर काम • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास एवं आकलन पर कार्य • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ
सप्ताह 20 सावधिक आकलन-2	• सप्ताह 19 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन
सप्ताह 21-24 तक	• पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3 के पाठों पर काम • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास एवं आकलन पर कार्य • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ
अकादमिक सत्र के अंत में	• वार्षिक आकलन

साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा

सप्ताह 1 से 8 तक

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन (साप्ताहिक आकलन)	छठा दिन (पुनरावृत्ति दो समूहों में)
मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं सम्बंधित लेखन (30 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓			
	चित्र-कथा पर कार्य				✓		
	सृजनात्मक गतिविधि					✓	
	कहानी सुनाना/अभिनय						✓
अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)	पुनरावृत्ति (शब्द पहचान) सप्ताह 1 से 4	✓	✓	✓	✓		
	पुनरावृत्ति (वाक्य/पाठ) सप्ताह 5 से 8	✓	✓	✓	✓		
	आकलन एवं पुनरावृत्ति					✓	✓
पठन अभ्यास (20 मिनट)	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

सप्ताह 9 से 24 तक

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन (साप्ताहिक आकलन)	छठा दिन (पुनरावृत्ति दो समूहों में)
मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं सम्बंधित लेखन (30 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓			
	चित्र-कथा एवं अनुभव/घटना पर लेखन कार्य				✓		
	सृजनात्मक गतिविधि					✓	
	कहानी सुनाना/अभिनय						✓
अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)	पाठ आधारित गतिविधियाँ	✓	✓	✓	✓		
	आकलन एवं पुनरावृत्ति					✓	✓
पठन अभ्यास (20 मिनट)	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास और आकलन	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

पाठ्यपुस्तक और अभ्यास पुस्तिका पर कार्य की रणनीति

वर्ष 2024-25 में निपुण भारत के लक्ष्यों को आधार बनाकर बच्चों के लिए शिक्षण रणनीतियाँ तय की गयी हैं। इसके लिए पाठ्यपुस्तक (झिलमिल-3) और अभ्यास पुस्तिका (नई महक) को कक्षा में व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से उपयोग करने की योजना है। बच्चों द्वारा पाठ का प्रवाहपूर्ण पठन करना, पाठ पढ़कर समझना, पाठ से जुड़े लेखन कार्य करना और अपने अनुभव/बात को लिखना- इन सभी मुख्य कौशलों पर झिलमिल-3 और नई महक के बीच सामंजस्य बनाकर कार्य किया जाएगा।

झिलमिल-3 पर कार्य करने की रणनीति

झिलमिल-3 से भाषा शिक्षण कालांश के खंड-1 (30 मिनट) के दौरान मौखिक भाषा, पठन और लेखन कौशल पर किया कार्य किया जाएगा। इस खंड में सप्ताह में तीन दिन झिलमिल-3 पर और बाकी तीन दिन मौखिक भाषा की अन्य गतिविधियाँ (चित्रकथा, कहानी, सृजनात्मक कार्य, इत्यादि) पर कार्य होगा। झिलमिल-3 के पाठों को एक समीक्षा के आधार पर दो तरीके से कार्य करने की रणनीति बनाई गयी है-

शिक्षक द्वारा पाठ पढ़कर सुनाना और सम्बंधित अभ्यास कार्य	शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन और सम्बंधित अभ्यास कार्य
वे पाठ, जिनका स्तर बच्चों के पढ़ने के स्तर से काफी ऊपर है (निपुण भारत के लक्ष्य को आधार बनाकर) उन पर मौखिक और लेखन कार्य। इस रणनीति में शामिल पाठ्यपुस्तक के पाठों की संख्या 1, 2, 3, 7, 8, 10, 11 और 12 है।	वे पाठ, जिनका स्तर बच्चों के पढ़ने के स्तर के करीब है (निपुण भारत के लक्ष्य को आधार बनाकर) उन पर मौखिक, पठन और लेखन कार्य और बच्चों द्वारा शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन, इस रणनीति का एक अहम हिस्सा है। इस रणनीति में शामिल पाठ्यपुस्तक के पाठों की संख्या 4, 5, 6, 8 (कुछ और पढ़ें), 9 और 13 है।

पाठ की प्रकृति और स्तर को ध्यान में रखकर झिलमिल-3 के पाठों को दिवसवार योजना/प्लानर में व्यवस्थित किया गया है।

‘नई महक’ पर कार्य करने की रणनीति

‘नई महक’ से भाषा शिक्षण कालांश के खंड 2 और 3 में डिकोडिंग कौशल की पुनरावृत्ति, प्रवाहपूर्ण पठन, पढ़कर समझना और लेखन कौशल पर किया कार्य किया जाएगा। नई महक में पाठों को दो भागों में रखा गया है-

भाग-1: इस भाग पर भाषा शिक्षण कालांश के खंड-2 में कार्य किया जाएगा। इस भाग में सप्ताह 8 तक डिकोडिंग कौशल की पुनरावृत्ति से जुड़े पाठ हैं और सप्ताह 9 से आगे पढ़कर समझना और लेखन कौशल से जुड़े पाठ हैं। इन पाठों में निपुण भारत के लक्ष्य और दक्षताओं को आधार बनाकर अभ्यास दिए गए हैं। सप्ताह के पहले चार दिन पाठ आधारित पठन और लेखन अभ्यास के कार्य हैं, पाँचवाँ दिन पुनरावृत्ति और आकलन प्रपत्र - ‘मैंने सीख लिया’ दिया गया है। छठे दिन आकलन के आधार पर रेमेडियल का कार्य करना प्रस्तावित है।

भाग-2: इस भाग पर भाषा शिक्षण कालांश के खंड-3 में कार्य किया जाएगा। इस भाग में प्रवाहपूर्ण पठन के अभ्यास से जुड़े पाठ हैं। इन पाठों को बच्चों के स्तर को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है, ताकि वे इन पाठों का स्वतंत्र पठन कर पाएँ। प्रत्येक सप्ताह के लिए 3-4 पाठ दिए गए हैं, जिन पर सप्ताह के पहले चार दिन कार्य होना है। इस दौरान शिक्षक द्वारा बच्चों के प्रवाहपूर्ण पठन के स्तर का आकलन भी किया जाएगा। इसके लिए संदर्शिका के पृष्ठ संख्या 33-34 को देखें।

गतिविधियों पर कार्य कैसे करें?

इस संदर्शिका के पृष्ठ 16-34 पर साप्ताहिक और दिवसवार योजना की गतिविधियों का विस्तृत विवरण है, जिसे इस प्रकार रखा गया है-

मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ	16 से 29
अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन लेखन गतिविधियाँ	30 से 32
पठन गतिविधियाँ	33 से 35
आकलन एवं पुनरावृत्ति	36 से 40
साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना	41 से 64

गतिविधि के मुख्य चरण

प्रत्येक गतिविधि करवाने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। शिक्षक कक्षा में गतिविधि करवाने के इन चरणों को पढ़कर समझ लें। आप इसको आधार बनाकर अपनी नई शिक्षण योजना तैयार कर सकते हैं।

शिक्षण योजना

शिक्षण योजना गतिविधि को कक्षा में करवाने के लिए एक विस्तृत उदाहरण है। इसमें आपको गतिविधि के लक्ष्य, आवश्यक तैयारी एवं सामग्री की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। साथ ही, ध्यान रखने योग्य मुख्य बातों के साथ गतिविधि को करवाने की प्रक्रिया भी दी गई है।

गतिविधियों को कक्षा में प्रभावी रूप से करवाने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखें-

- शिक्षक पृष्ठ संख्या 41-64 पर दी गई दिवसवार योजना को पढ़ लें।
- शिक्षक दिवसवार योजना को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लेने के बाद जिस गतिविधि को आपको कक्षा में करवाना है, उस गतिविधि के लिए दी गई शिक्षण योजना एवं गतिविधियों के चरणों को समझते हुए आवश्यक पूर्व तैयारी कर लें।
- किसी गतिविधि को नई विषयवस्तु के साथ कक्षा में करने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। इन चरणों को आधार बनाकर आप इस गतिविधि को आगे कक्षा में करवाएँ। मुख्य चरणों के लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- पृष्ठ 65-83 पर उदाहरण स्वरूप कुछ विस्तृत शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं, जिनको आधार बनाकर आप कक्षा में गतिविधियाँ करवाएँ। शिक्षण योजना के लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- शिक्षण योजना में गतिविधि/दिवस के लिए एक अधिगम उद्देश्य निर्धारित है, जिसके लिए आइकन का उपयोग किया गया है।
- गतिविधियों को करवाते समय तथा करवाने के बाद अनौपचारिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की स्थिति जाँचें और अपनी शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा करें। समय-समय पर समीक्षा के आधार पर शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव करें।
- शिक्षक स्वयं भी अलग-अलग विषयवस्तु और दक्षताओं के लिए शिक्षण योजना का निर्माण करके लागू कर सकते हैं। शिक्षक अपनी शिक्षण योजना बनाने के लिए दिए गए शिक्षण योजना के उदाहरणों को आधार बना सकते हैं।

मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक एवं संबंधित लेखन गतिविधियाँ

कक्षा 3 के स्तर पर मौखिक अभिव्यक्ति से जुड़ी दक्षताओं में यह अपेक्षा की जाती है कि बच्चे कविताओं को उचित गति एवं हाव-भाव के साथ सुना पाएँ। विभिन्न प्रकार की चर्चाओं जैसे सवाल पूछना, अनुभव साझा करना, दूसरों को ध्यान से सुनना और जवाब देना आदि में शामिल हो पाएँ। साथ ही बच्चे उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करते हुए स्पष्टता एवं आत्मविश्वास के साथ बातचीत कर पाएँ। अतः इन दक्षताओं के विकास हेतु कक्षा में बच्चों के साथ विविध प्रकार की शिक्षण सामग्री के साथ उपयुक्त गतिविधियाँ किया जाना आवश्यक हो जाता है। नीचे दी गई तालिका में कक्षा 3 के संदर्भ में गतिविधियों और संबंधित शिक्षण सामग्री का संक्षिप्त विवरण दिया जा रहा है।

मौखिक भाषा विकास/पाठ्यपुस्तक

5-7 मिनट

- कविता/बालगीत

20-25 मिनट

- पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य
- चित्र-कथा पर कार्य
- सृजनात्मक गतिविधियाँ
- कहानी सुनाना/अभिनय

कविता पर कार्य

सामग्री: नानी कहे कहानी, कविता पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, अन्य स्रोत

5 मिनट

इस गतिविधि के लिए पाठ्यपुस्तक, कविता पोस्टर, 'नानी कहे कहानी' इत्यादि से कोई भी कविता ली जा सकती है। आप स्थानीय कविताओं को भी शामिल करें। प्रतिदिन एक कविता पर कार्य करें। शुरुआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं का चयन करें। कविताओं पर कार्य करने के लिए नीचे दिए गए क्रम के आधार पर कार्य करें-

1. शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
2. शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
3. ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
4. सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने को कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।

पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य

सामग्री: पाठ्यपुस्तक

25 मिनट

इस अकादमिक सत्र में कक्षा-3 की पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य करने के लिए एक रणनीति बनाकर कार्य करने की योजना है। इस दौरान बच्चों को पाठ पढ़कर सुनाने, उस पर समझ बढ़ाने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे, तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और समझ आधारित लेखन के मौके दिए जाएँगे।

पाठ्यपुस्तक के पाठों को उनकी प्रकृति और बच्चों के पठन स्तर को ध्यान में रखते हुए दो प्रकार की रणनीति के आधार पर बाँटा गया है। पहली रणनीति में उन पाठों को शामिल किया गया है, जो बच्चों के पठन स्तर के अनुसार जटिल और बड़े हैं। दूसरी रणनीति में उन पाठों को शामिल किया गया है, जो बच्चों द्वारा पठनीय और सरल हैं। कुछ पाठों पर 3 दिन कार्य किया जाएगा और कुछ पाठों पर 6 दिन कार्य करने की योजना है। 3 दिन और 6 दिन की कार्य योजना में उन पाठों को चिन्हित किया गया है, जो बच्चों के पढ़ने के स्तर के मुकाबले जटिल हैं, इसलिए उन पाठों को शिक्षक बच्चों को मौखिक रूप से पढ़कर सुनाएँगे और अंत में दिए गए अभ्यास पर कार्य कराएँगे। इसके साथ-साथ कुछ पाठ ऐसे हैं, जिनको बच्चे शिक्षक के सहयोग के साथ पढ़ने का प्रयास करेंगे।

पहली रणनीति: शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से कहानी पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य
पाठ संख्या 1, 2, 3, 7, 8, 10, 11 और 12

पहला दिन: पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य

25 मिनट

- पाठ का शीर्षक और चित्र दिखाकर पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को या पाठ के चिन्हित भाग को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ या चिन्हित भाग को सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये जरूर सुनिश्चित कर लें कि बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।
- पाठ या पाठ के चिन्हित भाग को सुनाने के बाद बच्चों के अनुमान पर चर्चा करें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं चिन्हित गतिविधियाँ करवाएँ।

दूसरा दिन: पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा और अभ्यास कार्य

25 मिनट

- पिछले दिन पढ़ाए गए पाठ को दोहराएँ। (यदि शिक्षण योजना में पाठ के किसी अन्य भाग को चिन्हित किया गया है तो उस भाग को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।)
- पाठ पढ़ने के बाद बच्चों के साथ समझ आधारित चर्चा करें। (बच्चों से बंद और खुले छोर के प्रश्न पूछें।)
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं चिन्हित गतिविधियाँ करवाएँ।

तीसरा दिन: अपने शब्दों में कहानी सुनाना और अभ्यास कार्य
25 मिनट

- दिवस 2 की भाँति यदि शिक्षण योजना में पाठ के किसी अन्य भाग को चिन्हित किया गया है तो उस भाग को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ और उस पर चर्चा करें।
- पूरे पाठ को एक बार फिर दोहराएँ।
- किन्ही 2-3 बच्चों को बुलाएँ और पाठ को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं चिन्हित गतिविधियाँ करवाएँ।

दूसरी रणनीति: बच्चों द्वारा कहानी पढ़ना और अभ्यास कार्य: पाठ संख्या 4, 5, 6, 8 (कुछ और पढ़ें), 9 और 13

पहला दिन: पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य
25 मिनट

- पाठ का शीर्षक और चित्र दिखाकर पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ को सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये जरूर सुनिश्चित कर लें कि बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।
- पाठ को सुनाने के बाद बच्चों के अनुमान पर चर्चा करें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं चिन्हित गतिविधियाँ करवाएँ।

दूसरा दिन: पाठ पढ़कर सुनाना, मार्गदर्शन में पठन और अभ्यास कार्य
25 मिनट

- पिछले दिन पढ़ाए गए पाठ को दोहराएँ।
- बच्चों को जोड़ों में बिठाएँ और पाठ का चिन्हित भाग पढ़ने के लिए कहें।
- अलग-अलग जोड़ों में जाकर बच्चों को पढ़ते हुए सुनें और यदि बच्चे किसी शब्द को पढ़ने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं तो आवश्यकता अनुसार पढ़ने में उनकी मदद करें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं चिन्हित गतिविधियाँ करवाएँ।

तीसरा दिन: मार्गदर्शन में पठन और अभ्यास कार्य
25 मिनट

- पूरे पाठ को एक बार फिर दोहराएँ।
- बच्चों को जोड़ों में बिठाएँ और पाठ का चिन्हित भाग पढ़ने के लिए कहें।
- अलग-अलग जोड़ों में जाकर बच्चों को पढ़ते हुए सुनें और दिवस 2 की तरह आवश्यकता अनुसार पढ़ने में उनकी मदद करें।
- बच्चों से पाठ के अंत में दी गईं चिन्हित गतिविधियाँ करवाएँ।

नोट: कुछ पाठों पर 2-3 सप्ताह कार्य करने की योजना है। जिन पाठों पर 3 दिन से ज्यादा कार्य करना है, उन पाठों के अंत में दिए अभ्यास कार्य को अगले सप्ताह में तीन दिन करवाएँ। इसके लिए साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना को देखें।

चित्र-कथा चार्ट पर कार्य

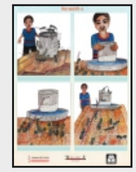

सामग्री: चित्र-कथा चार्ट

समय: 25 मिनट

चित्र-कथा बच्चों को कहानी की घटनाओं के क्रम, अंतर्सम्बन्ध और तार्किकता को समझने में मदद करती हैं। किसी घटना पर अच्छी समझ बनाने के लिए ये आवश्यक दक्षताएँ हैं। बच्चों को ऐसे अभ्यास करने की ज़रूरत है, जिससे वे कहानी में घट रही चीज़ों के बीच संबंध बिठा पाएँ। बच्चों के लिए ऐसा करना न सिर्फ रोचक कार्य है, बल्कि इसमें बच्चों को कहानी के क्रम के बारे में सोचने, आगे की कल्पना करने और कई घटनाओं को एक सूत्र में मिलाने जैसे कार्य करने होते हैं।

चित्र-कथा पर सप्ताह में 1 दिन कार्य करवाएँ। इसके लिए विद्यालय में चित्र-कथा चार्ट दिए गए हैं। इन चार्ट पर कार्य करने के लिए निम्नलिखित चरणों को ध्यान रखें:

- बच्चों को बराबर-बराबर चार समूहों में बाँटे। प्रत्येक समूह को एक-एक चित्रकथा चार्ट दें।
- बच्चों को इसे देखने और समझने को कहें। शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि बच्चे आपस में बात कर रहे हों।
- शिक्षक सभी समूहों में जाकर थोड़ी बातचीत करें और चर्चा को आगे बढ़ाने में बच्चों की मदद करें।
- फिर प्रत्येक समूह के बच्चों से कहानी के बारे में पूछें। सही गलत के निष्कर्ष पर नहीं जाएँ, बल्कि उनके वर्णन और घटनाओं के क्रम पर चर्चा करें।
- प्रत्येक समूह में बनी कहानी/घटना को समूह में सुनाने के लिए कहें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- सप्ताह 1 से 8 में दिए गए चरणों के अनुसार कार्य करें।
- सप्ताह 9 से 16 में बच्चों से चित्रकथा पर चर्चा के बाद 3-4 वाक्यों में कहानी लिखने और उसकी प्रस्तुतिकरण के लिए कहें।
- सप्ताह 17 से 24 में व्यवस्थित रूप से अपने अनुभव सुनाना/घटना और उसके लेखन का कार्य करवाएँ-
  - शिक्षक किसी विषय का चयन करें। फिर शिक्षक उस विषय से संबंधित अपना अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
  - सभी बच्चों को शामिल करते हुए चर्चा करें।
  - चर्चा के बाद सभी को अपने अनुभव लिखने के लिए कहें।
  - जो बच्चे अभी लिख नहीं पा रहे हैं, उन्हें मौखिक रूप से सुनाने के लिए कहें और लेखन का प्रयास करने दें।

अभिनय करना / अपने शब्दों में कहानी सुनाना

सामग्रीः कहानी की किताबें

समयः 25 मिनट

अपने शब्दों में कहानी सुनानाः सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना एक अहम कौशल है। बच्चों के अभिव्यक्ति कौशल के स्तर को बढ़ाने में यह काम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए बच्चे उस कहानी पर आधारित अपनी समझ को अपने शब्दों में व्यक्त करते हैं, जिससे उन्हें भाषा को उपयोग करने का एक महत्वपूर्ण अवसर मिलता है। यह गतिविधि कक्षा-2 में भी शामिल थी, पर अब इस पर और ज़ोर दिया जाएगा। अब थोड़ी बड़ी कहानियों को भी बच्चों से उनके शब्दों में सुनना चाहिए। वैसे भी अभी तक बच्चों के पास सुनी गई कहानियों का एक बड़ा संग्रह जमा हो गया होगा। इसमें यह संभावना भी है कि बच्चे अपनी कल्पना से सुनी हुई कहानी में कुछ अन्य घटनाएँ भी जोड़ें, जिससे वे कहानियों को और रोचक बना सकते हैं।

कहानी पर अभिनय करनाः किसी कहानी को नाटक के रूप में अभिनय करना एक उपयोगी भाषाई कौशल है। इसको विकसित करने के लिए बच्चों को पूरे मौके देने चाहिए। किसी कहानी या घटना पर अभिनय करना बच्चों के लिए शब्दों और भावनाओं का संबंध बिठाने का एक तरीका है। बच्चे बचपन से ही विविध चीज़ों और घटनाओं की नकल करते रहते हैं। यहाँ एक तरह से उसी काम को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ा रहे हैं। पहले वर्ष में बच्चे अपने अनुभवों और छोटी-छोटी घटनाओं पर अभिनय करते रहे हैं। अब छोटी कहानियों पर नाटक की शुरुआत करेंगे। शिक्षक इस कार्य को लीड करते हुए बच्चों को वे छोटे-छोटे गुण सिखाएँगे, जिससे कहानी का नाटक के रूप में अभिनय किया जाता है।

यहाँ यह भी ध्यान रखना ज़रुरी है कि बच्चे अभी नाटक विधा की शुरुआत ही कर रहे हैं। बच्चों को अभिव्यक्ति और बातचीत के लिए एक प्रभावी स्थिति देना इसका मुख्य मकसद है। कक्षा में अभिनय करवाने के लिए बच्चों को सुनाई गई कहानी, कहानी की घटनाओं एवं रोज़मर्रा के जीवन आदि विषय काम में लिए जा सकते हैं।

यहाँ यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अभिनय में भी स्कैफ्फोल्डिंग का सिद्धांत काम में लिए जाना चाहिए, जिसमें बच्चों को धीरे-धीरे जटिल गतिविधियों की ओर ले जाने की तैयारी शामिल हो। इसके लिए पहले अभिनय के छोटे-छोटे हिस्सों पर काम करना चाहिए जिससे बच्चे स्वाभाविक रूप से सहज हों। जैसे हाव-भाव, कल्पना करना, डायलॉग बोलना, अपनी बात खुलकर कहने आदि और फिर जोड़ियों में स्थिति आधारित छोटे सीन बनाना और फिर कहानियों की अलग-अलग घटनाओं पर अभिनय करना।

सृजनात्मक गतिवधियों पर कार्य

सामग्रीः गतिविधि के अनुसार, संदर्शिका

समयः 25 मिनट

कक्षा-3 में बच्चों के लिए कई मौखिक सृजनात्मक गतिविधियाँ प्रस्तावित की गई हैं, जो उन्हें समूह बनाकर की जानी हैं। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों को सोचने, अपने अनुभवों को साझा करने, तर्क करने, नई रचना करने, विश्लेषण करने, निष्कर्ष निकालने, समस्या का हल निकालने जैसे उच्चस्तरीय कौशलों को विकसित करने के मौके उपलब्ध कराएँगी।

सृजनात्मक गतिविधियों पर कार्य करने के लिए उदाहरण के रूप में एक गतिविधि पर किए गए कार्य के चरणों को देखें-

- शिक्षक बच्चों को 4-5 के समूह में बाँटें और उन्हें आज की गतिविधि के बारे में समझाएँ और आवश्यक सामग्री जैसे- पेपर, चार्ट, स्केच पेन आदि दें। बच्चों को बताएँ कि उन्हें समूह में चर्चा करते हुए एक साइकिल का चित्र बनाना है।
- साइकिल का चित्र बनाने के बाद, उन्हें समूह में साइकिल के अलग-अलग हिस्सों और उनके काम पर आपस में चर्चा करनी है।
- चर्चा करने के बाद प्रत्येक हिस्से का नाम और उसके उपयोग से सम्बन्धित 2-3 वाक्य लिखने का कार्य करवाएँ।
- इस दौरान शिक्षक कक्षा में घूमते हुए बच्चों की आपस की चर्चा को सुनें और बच्चों को आगे सोचने और कार्य करने के लिए आवश्यक फीडबैक दें और मदद करें।
- अब प्रत्येक समूह को एक-एक करके कक्षा के समक्ष अपने कार्य को प्रस्तुत करने को कहें।
- प्रत्येक प्रस्तुतिकरण के बाद शिक्षक और अन्य बच्चे कार्य पर बातचीत करें कि क्या सबसे अच्छा लगा, क्या अच्छा किया जा सकता है, आदि।
- सभी समूहों के प्रस्तुतिकरण के बाद बच्चों के कार्य को बच्चों के काम के कोने में लगा दें।

सृजनात्मक गतिविधियाँ

1. सवाल बनाओ

कहानी की किताबें — 20 मिनट

- पूरी कक्षा को 4 से 5 समूहों में बाँट दें। प्रत्येक समूह को कहानी की किताब दें। अब हर समूह को इस कहानी पर चर्चा करने को कहें और कहानी से संबंधित 4-5 सवाल बनाने को कहें। इसके लिए उन्हें 10 मिनट का समय दें। समय समाप्त होने के बाद हर समूह से उनके द्वारा बनाए गए प्रश्नों को सुनें।
- आप इस बात का ख्याल रखें कि प्रत्येक समूह के सभी सदस्य सवाल बनाने की प्रक्रिया में सम्मिलित हों और समूह का हर सदस्य एक सवाल पूछे।

2. शब्द अंताक्षरी

बच्चों के लिए पेपर एवं लेखन सामग्री — 7-10 मिनट

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 2-3 पर्चे दें, जिनमें हिन्दी के एक-एक सरल शब्द लिखे हुए हों।
- सबसे पहले हर समूह में से कोई एक बच्चा अपनी मर्ज़ी से इनमें से एक पर्ची को उठाकर शब्द को पढ़ेगा। उसके दाईं तरफ वाले बच्चे को उस शब्द के आखिरी वर्ण की ध्वनि से नया शब्द बनाना है।
- कोई भी शब्द दोबारा उपयोग में नहीं लाया जा सकता। इस तरह, बारी-बारी से यह प्रक्रिया समूह में चलेगी। अगर कोई बच्चा शब्द नहीं बताता तो उसके बाद वाले बच्चे को बताना होगा। यह तब तक चलता रहेगा, जब तक सारे बच्चे किसी एक वर्ण पर आकर ना अटक जाएँ और आखिरी वर्ण से कोई नया शब्द ना बना पाएँ।
- इसके बाद सारे बच्चों को याद करके अंताक्षरी के पहले राउंड में आए हुए कम से कम 5 शब्दों को अपने पेपर पर लिखना होगा और समूह में साझा करना होगा।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद हर समूह के कार्य को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students work corner) में लगा दें।

3. क्या अच्छा लगा

15-20 मिनट

कक्षा में अपनी भावनाएँ सामने रखना।

- बच्चों को घेरे में आराम से बिठाएँ और यह सुनिश्चित करें कि वे सहज महसूस कर रहे हों।
- कागज़ की एक गेंद या खिलौना जिसे बच्चे एक-दूसरे के पास बढ़ा सकें।
- नोट- यह गतिविधि कक्षा में अंतिम समय पर करवाई जा सकती है।

- बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद घेरे में घुमाएँगे। गेंद जिसके पास भी पहुँचेगी उसे बताना होगा कि कल उन्हें कौन-सी गतिविधि सबसे ज़्यादा अच्छी लगी। इस गतिविधि में सभी बारी-बारी से अपनी बात कहेंगे।
- इस चर्चा की शुरुआत आप करें और बच्चों को बताएँ कि कल आपको सबसे अच्छी गतिविधि कौन-सी लगी थी? ध्यान रखें कि आप किसी बच्चे का नाम न लें और पूरी कक्षा को एक साथ संबोधित करें।
- सभी बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के लिए मदद और मौका दें।
- सहभागिता बढ़ाने के लिए एक सहज और सुरक्षित माहौल तैयार करें।

4. भावनाएँ

15-20 मिनट

बच्चे संकेतों की मदद से अपने आपको अभिव्यक्त करके दिखाएँगे।

बच्चों के लिए संकेत तैयार रखें।

- बच्चों को बताएँ कि आप उन्हें कुछ ख़ास स्थितियाँ देंगे और उन्हें ये दिखाना है कि वे उस स्थिति में होते तो किस तरह की प्रतिक्रिया देते। उन्हें ये करके दिखाना है कि उस स्थिति में वे कैसा महसूस करते और क्या क्रिया करते।
- इसके बाद बच्चों को भावनाएँ चुननी हैं। अब बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों पर बातचीत करें:
  - मम्मी ने गुलाब जामुन बनाएँ हैं और आपको औरों से दो ज़्यादा गुलाब जामुन दिए हैं। आपको कैसा लगेगा?
  - आज सुबह सीढ़ियों से उतरते हुए आप गिर पड़े थे। गिरने पर क्या हुआ और आपको कैसा लगा?

5. अनोखी बातचीत

बच्चे के लिए पेपर एवं लेखन सामग्री

20 मिनट

- बच्चों को जोड़ों में बाँटे और हर एक जोड़े को 2 वस्तुओं/जानवर/पक्षी/पेड़-पौधे (जो इंसान नहीं है) बादल, चिड़िया आदि का नाम एक पर्चे में लिख कर दें।
- हर जोड़ी को अपने आप को उन वस्तुओं की जगह रखकर बातचीत करनी होगी। बच्चों को बातचीत को रोचक बनाने के 2-3 उदाहरण दें और इस बातचीत को अपने-अपने पन्ने में 5-7 मिनट के अंदर लिखने को कहें।
- बच्चों को कक्षा के सामने अपने लिखे हुए को पढ़ने के लिए 2-3 मिनट दें।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद हर जोड़े की कहानी को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students Work Corner) में लगा दें।

6. सुनो और पता लगाओ

हर समूह के लिए शब्दों की गड्डी। कोशिश कीजिए कि हर समूह को अलग-अलग शब्द मिलें।

20 मिनट

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर एक समूह के बीच 10-12 शब्द और उनकी विशेषता, जैसे- उपयोगिता, रंग, रूप आदि के बारे में 3 बातें लिखकर पर्ची की गड्डी रख दें।
- समूह के सारे बच्चे बारी-बारी से 2-2 पर्चे उठाएँ और बिना देखे अपने पास रख लें।
- कोई भी बच्चा अपने समूह में शुरुआत कर सकता है। वह अपने पर्चे को बिना देखे अपने दाईं तरफ के बच्चे को देगा। यह बच्चा उस पर्ची में लिखे शब्द को मन में पढ़ेगा और उसके बारे में लिखी हुई बातों को बोलकर अपने मित्र को दिए गए शब्द को पहचानने को कहेगा।
- 3 बार शब्द नहीं पहचान पाने पर दूसरे बच्चे द्वारा उत्तर बताया जाएगा। इसी तरह यह खेल आगे बढ़ेगा। इस खेल के दो राउंड होंगे और हर प्रतिभागी को 2 मौके मिलेंगे।

7. करके दिखाओ

10-15 मिनट

इस खेल में बच्चे अलग-अलग तरह की विधा, शैली एवं चीजों से संबंधित कुछ वाक्य बोलने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कागज की गेंद, लिखी हुई कुछ पर्चियाँ

- विभिन्न विषयों से संबंधित पर्चियाँ बना लें, जैसे- कविता सुनाना, कहानी सुनाना, गाना गाना, जानवर की आवाज निकालना, चुटकुला सुनाना आदि।
- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें। पर्चियों को अपने सामने रखें और किसी एक बच्चे को कागज की बनाई गई गेंद दें। अब ताली बजाएँ और जब तक ताली बजेगी, बच्चे उस गेंद को क्रम से एक-दूसरे को देते जाएँ।
- ताली रुकते ही, जिस बच्चे के पास गेंद हो, वह रखी हुई पर्चियों में से एक पर्ची उठाये और उसे पढ़कर बताए। यदि बच्चा पढ़ नहीं सकता तो शिक्षक उसे पढ़कर सुना दें।
- बच्चा पर्ची में लिखे गए कार्य को करके दिखाए, जैसे- यदि पर्ची में 'कविता सुनाओ' लिखा गया हो तो बच्चा कविता सुनाए। इसी तरह फिर शिक्षक ताली बजाए और खेल को आगे बढ़ाए।

8. मैं कौन हूँ

10-15 मिनट

इस खेल में कुछ बच्चे चयनित वस्तुओं के बारे में विस्तार से बताने का प्रयास करते हैं और कुछ बच्चे उन विशेषताओं के आधार पर नाम का अंदाजा लगाते हैं।

सामग्री: कुछ चित्र कार्ड

- सभी बच्चे 'यू' आकार में बैठें। शिक्षक चित्र कार्ड को उल्टा करके रख दें।
- कोई एक बच्चा आगे आए व एक चित्र कार्ड उठाकर देखे। ध्यान रहे, यह चित्र कार्ड बाकी बच्चे न देख पाएँ।
- अब चित्र कार्ड में बने जानवर/फल/वस्तु के बारे में उसे कुछ बताना है। उदाहरण के लिए, अगर आम का चित्र आया है तो वह बता सकता है- 'यह एक फल है, बहुत मीठा होता है, हम इसे गर्मियों के मौसम में खाते हैं' इत्यादि।
- यह सुनकर कक्षा के बाकी बच्चों को अंदाजा लगाना है कि उसके पास जो कार्ड है, वह किस चीज का है। (शुरुआत में शिक्षक बोल रहे बच्चे की मदद करें – 'अब इसके रंग के बारे में बताओ', 'इसका आकार कैसा है, वह बताओ', 'यह किस श्रेणी में आता है, वह बताओ – फल, जानवर, सब्जी या पक्षी' आदि। एक बार बच्चे खेल समझ जाएँ तो शिक्षक मदद करना छोड़ दें।)

9. मिट्टी से क्या-क्या बनाया जा सकता है? चित्र बनाओ और लिखो।

चित्र बनाने और लिखने के लिए रंग और पेपर।

20 मिनट

- बच्चों से पहले मिट्टी के बारे में चर्चा करें। फिर, सभी बच्चों को एक-एक पेपर दें और बताएँ कि मिट्टी से बनने वाली चीज़ें (4-5) के चित्र बनाने हैं और हर चित्र के बारे में एक-एक वाक्य लिखना है। इसके लिए बच्चों को 1-2 उदाहरण दें।
- यह गतिविधि सारे बच्चे स्वतंत्र रूप से करेंगे। इसे करने के लिए 10 मिनट का समय दें और बाकी समय में उन्हें कक्षा के सामने अपने कार्य की प्रस्तुति करने का अवसर दें।
- अगली बार ऐसी ही गतिविधि लोहा/प्लास्टिक से बनने वाली चीज़ों के लिए करवा सकते हैं।

10. चलो, अपना स्कूल बनाएँ

लिखने के लिए पेपर, (यदि ज़रूरत हो तो चित्र बनाने के लिए रंग) 20 मिनट

- गतिविधि: दिए गए विषय पर सूची बनाना– 'अगर आपको एक स्कूल बनाना है तो आप को किन-किन चीजों की ज़रूरत पड़ेगी? उनकी सूची बनाओ।'
- आप गाँव के विषय का उदाहरण दें (बच्चों से चर्चा करते हुए बोर्ड पर लिखे, गाँव में क्या-क्या होता है? जैसे- घर, पेड़, जानवर, स्कूल, खेत आदि।)
- अब बच्चों को इस गतिविधि का विषय दें और उस पर चर्चा करें। बच्चों को उत्तर देने दें। थोड़ी-सी चर्चा के बाद बच्चों को जोड़ों में बाँटें और उन्हें 10 मिनट में उपर्युक्त गतिविधि पर एक सूची बनाने को कहें। आखिर के 10 मिनट में अलग-अलग जोड़ियों को प्रस्तुतिकरण के लिए कहें।

11. अजीब कहानी हमने बनाई

10 मिनट

इस खेल में बच्चे मिलकर मजेदार कहानी बनाने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कागज की गेंद

- शिक्षक अपने हाथ में कागज की एक गेंद रखें और कोई भी एक अनोखा वाक्य बोलें। यह वाक्य कहानी का पहला वाक्य होगा।
- इसके बाद शिक्षक किसी एक बच्चे की ओर गेंद फेंकें। यह गेंद जिस बच्चे के पास जाए, वह उस वाक्य के साथ एक और मजेदार वाक्य जोड़ें।
- फिर वह बच्चा गेंद को किसी दूसरे बच्चे की ओर फेंकें। जिस बच्चे के पास गेंद जाए, वह कहानी में एक नया वाक्य जोड़ें।
- इस प्रकार पूरी कहानी बनाएँ। यह कहानी 8-10 वाक्यों से अधिक लम्बी न हो।
- कहानी पूरी होने के बाद कुछ बच्चों से पूरी कहानी सुनें।
- अंत में, खुद भी कहानी को हाव-भाव सहित सुनाएँ।

12. क्या हो अगर?

10-15 मिनट

इस खेल में बच्चे एक-दूसरे से काल्पनिक परिस्थितियों को लेकर सवाल-जवाब करने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कुछ नहीं।

- बच्चे आमने-सामने मुँह करके दो लाइन बनाकर खड़े हों।
- पहली लाइन से एक बच्चा अपने सामने वाले बच्चे को 'क्या हो अगर' से शुरू होती एक मजेदार काल्पनिक स्थिति दें। जैसे- क्या हो अगर मेरे पंख लग जाएँ, या क्या हो अगर कभी रात न हो, आदि।
- दूसरी लाइन में खड़े बच्चे को इसका जवाब देना होगा।
- फिर दूसरी लाइन से अगला बच्चा पहली लाइन के अगले बच्चे से एक सवाल पूछेगा, जिसका उसे जवाब देना होगा।
- इसी प्रकार खेल आगे बढ़ेगा।

13. स्कूल के अंदर : खेल (2 दिन)

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र। 20 मिनट

- पहले दिन: सर्वेक्षण का नमूना दिखाना व उस पर बात करना।
- दूसरे दिन: प्रस्तुतिकरण के लिए मुख्य बिंदु पर बात करना, लिखना और प्रस्तुत करना।
- कक्षा को 3-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को कक्षा चौथी और पाँचवीं के बच्चों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आप स्कूल से जाने के बाद खेल खेलते हैं? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आपको कौन-सा खेल पसंद है? (खेल का नाम)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	खेल का नाम
कुल			

14. आलसी बिल्ली

15-20 मिनट

बच्चों को स्कूल के प्रति अपनी भावनाओं के बारे में सोचने और उनको पहचानने में मदद देना

- इस बात पर ध्यान दें कि बच्चों के चलने-फिरने के लिए जगह पर्याप्त हो।
  इस बात का ख्याल रखें कि बच्चे अपनी-अपनी जगह आराम से खड़े हों। कोई भी बच्चा परेशान दिखाई न दे।

- बच्चों को निम्नलिखित निर्देश दें-
- उन्हें कहें कि वे आलसी बिल्ली का अभिनय करें- एक ऐसी बिल्ली, जो देर तक गहरी नींद में सोने के बाद उठकर अंगड़ाई ले रही है।
  - उन्हें लंबी उबासी लेने के लिए कहें।
  - म्याऊँ-म्याऊँ करने के लिए कहें।
  - अब उन्हें अपनी बाँह, टाँगें और पीठ फैलाकर सीधी करने के लिए कहें। उन्हें धीरे-धीरे, बिल्ली की तरह अपना शरीर फैलाना है। इसके बाद आराम से बैठ जाएँ।
- अब उन्हें तकरीबन 10 सेकंड तक हवा में तैरते एक पंख का अभिनय करना है।
  - इसके बाद उन्हें अचानक बिना हिले एक मूर्ति में बदल जाना है। उन्हें कहें कि इसके बाद वे बिल्कुल ना हिलें।
  - इसके बाद उन्हें दोबारा उड़ते पंख में आकर, जैसे आराम करते हैं, उस स्थिति में आने के लिए कहें।
  - प्रक्रिया को दोहराएँ और सुनिश्चित करें कि जब गतिविधि समाप्त हो तो बच्चे एक विश्रामपूर्ण अवस्था में उड़ते पंख की स्थिति में हों।
- बच्चों के मार्गदर्शन के लिए उनके साथ-साथ यह गतिविधि करते जाएँ।

15. महसूस करें

15-20 मिनट

बच्चों को अपने आसपास की चीजों के प्रति जागरूक करना, उनके बारे में अपनी भावनाएँ व्यक्त करना

बच्चे आराम से घेरे में बैठ जाएँ। कोई भी बच्चा परेशान या बेचैन ना हो।

- बच्चों से उनके आसपास मौजूद तीन चीजों को छूने के लिए कहें। वे ऐसी तीन चीजों को छू सकते हैं, जो उनके एकदम पास मौजूद हैं। उन्हें किसी चीज को छूने के लिए उठकर जाने की जरूरत नहीं हो।
- उन्हें अपने हाथों में उन चीजों को महसूस करने के लिए कहें। उन्हें उस वस्तु की बाहरी सतह, खुरदरापन, आकार, वजन पर ध्यान देने को कहें।
- उन्हें इस बारे में सोचने के लिए कहें कि उन्हें उन चीजों को हाथ में लेकर कैसा महसूस हुआ।
- उन्हें कुछ शब्दों में अपनी भावनाएँ व्यक्त करने को कहें।
- अब उन्हें धीरे-धीरे अपना ध्यान अपनी साँस पर केंद्रित करने को कहें। उन्हें नाक में हवा के आवागमन पर ध्यान देने को कहें। उन्हें अपने साँसों की लय पर ध्यान देने दें।

16. स्कूल के बाहर : सफर (2 दिन)

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र।

20 मिनट

- निर्देश: शिक्षक कक्षा को 3-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को एक सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपने घर के आस-पास के 10 लोगों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाना होगा।

प्रश्न 1: क्या आप ट्रेन या बस में सफर करते हैं? (हाँ/नहीं)

प्रश्न 2: आपको ट्रेन या बस में से किसका सफर अच्छा लगता है? (बस / ट्रेन)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	(बस / ट्रेन)
कुल			

17. भावनाओं के भी चित्र होते हैं

15-20 मिनट

जिन भावनाओं पर पहले चर्चा हुई थी, बच्चे उनका चित्र जोड़ों में बनाएँगे

दो-दो बच्चों के जोड़े बनाएँ। उनके पास खाली पेपर और पेंसिल हो।

- सभी जोड़ों को एक-एक खाली पेपर दें। अगर पेपर नहीं है तो ये कार्य कॉपी में भी कर सकते हैं।
- पिछली गतिविधि में जिसका नाम 'भावनाएँ' था पर चर्चा हुई थी, उन वाक्यों/संकेतों को अब बारी-बारी फिर से बोलें और बच्चों को उनसे संबंधित स्माइली (हँसता हुआ चेहरा) बनाने को कहें। चित्र में दिख रही स्माइली को आप बच्चों को सहयोग देने के लिए बोर्ड पर बना दें। जैसे-
  - आप बहुत देर तक होमवर्क कर रहे थे? आपको कैसा लगा?
  - इस पर आप कौन-कौन सी स्माइली बनाएँगे?
- बच्चों के साथ उन स्माइली और उनकी भावनाओं पर बातचीत करें।

18. अभिनय करो और पहचानो

15-20 मिनट

कक्षा में बच्चों को अभिव्यक्ति के मौके देना

- सभी बच्चों को अपनी-अपनी जगह आराम से बैठने के लिए कहें।
  पूरी कक्षा को 4-5 समूहों में बाँट लें और गतिविधि के लिए कुछ क्रिया शब्द सोचकर रखें।

- बच्चों को (डम्ब शराड) 'अभिनय करो और पहचानो' के बारे में बताएँ।
- सभी समूहों को कहें कि उन्हें मिलकर ये तय करना है कि वे अभिनय के लिए अपनी तरफ से किस बच्चे को भेजेंगे।
- प्रत्येक समूह को अभिनय के लिए बारी-बारी से अपने सदस्यों को भेजने का अवसर दें।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को एक शब्द दें। उस बच्चे को कोई आवाज निकाले बिना उस शब्द का अभिनय करके दिखाना होगा।
- उस बच्चे के समूह के सदस्यों को उस शब्द का अनुमान लगाना है। समूह को तभी मदद दें, जब वे अटक जाएँ।
- दूसरे समूहों को कहें कि वे शब्द का अनुमान लगाने में मदद न करें।
- अभिनय करने के लिए बच्चों को ये शब्द दें: पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना। आप चाहें तो अन्य शब्द भी बच्चों को दे सकते हैं।

19. सर्वेक्षण (स्कूल से बाहर) : टीवी देखना (2 दिन)

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र।

20 मिनट

- पहले दिन: सर्वेक्षण का नमूना दिखाना व उस पर बात करना।
- दूसरा दिन: प्रस्तुतिकरण
- कक्षा को 4 समूहों में बाँटें और प्रत्येक बच्चे को एक सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपने घर के आस-पास के लोगों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाना होगा। सर्वेक्षण पत्र: इसके पहले दिए गए 2 सर्वेक्षण पत्रों के आधार पर एक सर्वेक्षण पत्र बनाएँ एवं निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल करें:

प्रश्न 1: क्या आपको टीवी देखना पसंद है? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आप टीवी में क्या देखना पसंद करते हैं?

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	टीवी में जो देखना पसंद है
कुल			

20. पहेली बनाओ

हर समूह के लिए एक पेपर और लेखन सामग्री — 20 मिनट

- शिक्षक सबसे पहले 3–4 सरल एवं परिवेशीय उदाहरण देकर बच्चों को समझाएँ कि पहेली कैसी होती है।
- फिर बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 4 पर्चे दें और उनमें से किन्हीं दो पर बच्चों को पहेली बनाने को कहें। पहेली के लिए शब्द सरल एवं उनके परिवेश से होने चाहिए।
- प्रस्तुति में हर एक समूह दूसरे समूहों से अपनी 2 पहेलियों को पूछेंगे और सही जवाब नहीं आने पर उनके उत्तर दूसरों के साथ साझा करेंगे।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students Work Corner) में लगा दें।

21. मनमोहक वाक्य और चित्र के साथ विज्ञापन बनाना

20 मिनट

एक मजबूत पेपर की शीट, रंग और लिखने के लिए सामान, बच्चों को दिखाने के लिए कुछ विज्ञापन (अखबार, पैम्फलेट आदि के नमूना), अलग-अलग चीजों का आवरण (wrapper), जैसे- बिस्कुट, नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि।

- किसी एक विज्ञापन का उदाहरण दें और उसे बोर्ड पर बच्चों के सामने बनाएँ। विज्ञापन में पंच लाइन जोड़कर विज्ञापन बनाएँ। उदाहरण में दिया गया है- 'जो भी खाए खाता जाए, सबसे सस्ता सबसे मीठा।' यह एक पंच लाइन है। आप किसी विषय पर 2–3 विज्ञापन एवं पंच लाइन का उदाहरण दें। इससे बच्चों को पंच लाइन एवं विज्ञापन क्या होता है, इसे समझने में मदद मिलेगी।

- पंच लाइन पर चर्चा करें और मौखिक रूप से बच्चों से अलग-अलग चीजों के लिए इसे बनवाने का प्रयास करें। आप बच्चों को विभिन्न विषय बताएँ, जिन पर विज्ञापन बनाए जा सकते हैं।
- इस कार्य के लिए पूरी कक्षा को 4-4 बच्चों के समूहों में बाँटें और अपने-अपने समूह का विज्ञापन बनाने को कहें। आप हर समूह को एक निर्धारित विषय/चीज दे दें। जैसे- नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि। हर समूह को पंच लाइन लिखना आवश्यक है। इस कार्य के लिए 10 मिनट दें और आखिर के 5 मिनट में हर समूह को उनके द्वारा बनाए गए पंच लाइन कक्षा में साझा करने को कहें।
- सभी बच्चों के विज्ञापन को 'बच्चों का कोना' में लगाएँ। यदि यह गतिविधि एक दिन में पूरी नहीं होती है तो दूसरे दिन भी इसी पर कार्य कराया जा सकता है।

अभ्यास पुस्तिका एवं संबंधित पठन लेखन गतिविधियाँ

डिकोडिंग में कक्षा-3 के स्तर पर अपेक्षा है कि बच्चे वर्ण/अक्षरों से बने शब्दों को शुद्धता के साथ पढ़ पाएँ और कक्षा स्तर के विभिन्न शैली/विधाओं के वाक्यों/पाठों को पढ़ पाएँ। डिकोडिंग सम्बन्धी दक्षताओं के विकास हेतु अभ्यास पुस्तिका नई महक का प्रयोग किया जाएगा, जिसमें मिलाकर शब्द पढ़ना, शब्द पठन, पाठ से संबंधित पठन-लेखन के कार्य और प्रवाहपूर्ण पठन के अभ्यास सम्मिलित हैं।

अभ्यास पुस्तिका

पुनरावृत्ति (1 से 8 सप्ताह)

- वर्ण/मात्रा पहचान की पुनरावृत्ति
- मिलाकर शब्द पढ़ना
- शब्द/वाक्य और छोटे पाठों पर पठन व लेखन

पाठों पर पठन लेखन कार्य (9 से 24 सप्ताह)

- अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर कार्य
  - आदर्श वाचन
  - संबंधित लेखन कार्य

वर्ण/मात्रा पहचान की पुनरावृत्ति

सामग्री: बोर्ड, 'नई महक' अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक मिलाकर शब्द पठन पर कार्य करने के लिए निम्नलिखित चरणों का ध्यान रखें:

1. अभ्यास पुस्तिका पर कार्य से पूर्व बोर्ड पर पहचान की गतिविधि करवाए।
2. इसे कक्षा-1 या कक्षा-2 की तरह ही करें।

मिलाकर शब्द पढ़ना

सामग्री: बोर्ड, 'नई महक' अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक मिलाकर शब्द पठन पर कार्य करने के लिए निम्नलिखित चरणों का ध्यान रखें:

1. बोर्ड पर बॉक्स बनाएँ ओर उसमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर उसके सामने बड़े बॉक्स में इनसे बने शब्दों को लिखें। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके और फिर जोड़कर 2-3 बार पढ़ें।
2. 2-3 शब्दों को बच्चों के साथ जोड़कर पढ़ें।
3. अब बच्चों को 'नई महक' अभ्यास पुस्तिका में इससे जुड़े अभ्यासों को करने को कहें।

शब्द पठन

सामग्रीः बोर्ड, 'नई महक' अभ्यास पुस्तिका

- शब्द सूची से बच्चों को शब्द दर शब्द पढ़ने को कहें। शिक्षक बच्चों की ज़रूरत के अनुसार मदद करें।
- 'नई महक' अभ्यास पुस्तिका में दिए शब्दों (4-5 शब्द) को बोर्ड पर लिखें। इसे दो बार धीरे-धीरे पढ़ें।
- अब बच्चों को अभ्यास पुस्तिका से इन शब्दों को पढ़ने को कहें। आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।

अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर पठन-लेखन कार्य

सामग्रीः अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' (भाग-1)

35-40 मिनट

इस चरण में अभ्यास पुस्तिका में सप्ताह 9-24 तक पाठ सम्बंधित कार्य दिए गए हैं। प्रत्येक पाठ पर दो दिन तक कार्य किया जायेगा। इस दौरान बच्चे पाठ को पढ़ने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे- तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और उससे संबंधित समझ आधारित लेखन के मौके दिए जायेंगे। प्रत्येक पाठ पर कार्य करने की दो दिन की योजना निम्न प्रकार हैः

पहला दिनः शिक्षक द्वारा पाठ पढ़कर सुनाना (आदर्श वाचन) और अभ्यास

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को उचित उतार-चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को भी साथ में पाठ पर अंगुली रखकर देखने को कहें।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- सभी बच्चों को जोड़ी में बाँट दें और उन्हें पाठ को जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें। शिक्षक अलग-अलग जोड़ियों में जाकर आवश्यकतानुसार बच्चों की पढ़ने में मदद करें।
- कक्षा से किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा के सामने पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

दूसरा दिनः पाठ पढ़कर सुनाना और पाठ से संबंधित लेखन कार्य

- पिछले दिन पढ़ाए गए पाठ को एक बार आदर्श तरीके से पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को दो-दो की जोड़ी में बाँट दें या उन्हें पाठ स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें। जिन बच्चों को आवश्यकता है उनकी पाठ पढ़ने में मदद करें।
- फिर अभ्यास पुस्तिका में दी गई गतिविधियों पर चर्चा करें और लेखन कार्य करवाएँ।
- अंत में, बच्चों के लेखन कार्य पर अपनी राय दें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

श्रुतलेख पर कार्य

सामग्रीः अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' (भाग-1)

5-10 मिनट

- पिछले सप्ताह तक सीखे गए स्तर के अनुसार सरल शब्दों/वाक्यों का चयन करें।
- जब बच्चे अपनी नोटबुक के साथ तैयार हों तो शिक्षक पहला शब्द/वाक्य बोलें। बच्चों को इसे दोहराने को कहें। इससे ये पता चल जाएगा कि बच्चों ने सही सुना है या नहीं।
- अब बच्चों को लिखने को कहें, फिर इसे कम से कम तीन बार बोलें।
- अगले शब्द/वाक्य के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
- फिर शिक्षक बच्चों के लेखन की जाँच करें और सुधार के लिए अपनी राय दें।

ध्यान रखने योग्य बातेंः

- अभ्यास पुस्तिका में श्रुतलेख संबंधी गतिविधियाँ दी गई हैं, परन्तु पर्याप्त नहीं हैं। श्रुतलेख पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सकें।

पठन गतिविधियाँ

प्रवाहपूर्ण पठन

- **1-8 सप्ताह**
  - जोड़ों में पठन अभ्यास
  - कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन
- **9-24 सप्ताह**
  - प्रवाहपूर्ण पठन
  - कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

जोड़ों में पठन अभ्यास

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' (भाग-2)

15-20 मिनट

कक्षा-3 में बच्चों के पठन अभ्यास के लिए अभ्यास पुस्तिका के भाग-2 में छोटे और सरल पाठ दिए गए हैं। इन पाठों पर प्रवाहपूर्ण पठन का कार्य किया जाना है। इसकी प्रक्रिया नीचे दी गई है-

- बच्चों को जोड़ों में बाँटें और चयनित पाठ पढ़ने को कहें।
- 3-5 बच्चों को अपने पास बुलाकर पढ़ने के लिए कहें। (सप्ताह 5-8 तक)
- बच्चों के पठन का आकलन कर सही पढ़े गए शब्दों की संख्या लिखें।
- अंत में, पाठ पर एक बार बच्चों से चर्चा करें।

कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

सामग्री: कहानी की किताबें (अगर कहानी की किताबें उपलब्ध नहीं हैं तो अभ्यास पुस्तिका के पाठ को उपयोग में लें/अभ्यास पुस्तिका)

15-20 मिनट

- बच्चों को अपनी पसंद की पुस्तकालय की कहानी की किताब/अभ्यास पुस्तिका से पाठ चुनने को कहें और उन्हें खुद से पढ़ने को कहें। इसके लिए 10-12 मिनट का समय दें।
- बच्चे अपने साथी के साथ या स्वतंत्र पढ़ें।
- फिर सभी बच्चों को एक जगह बुलाकर बातचीत करें। (आप उनसे कहानी, उसके पात्र, चित्र, घटना के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस बातचीत का उद्देश्य बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने, उनकी रुचि

को बनाए रखने और पढ़ने में आई दिक्कतों को समझना है। जो बच्चे अभी भी पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें भी पढ़ने के मौके दें। उन्हें ऐसे बच्चों के साथ भी बिठा सकते हैं, जो पढ़ने में उनकी मदद करें।)

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों को किताब पढ़ने के लिए स्वतंत्र समय देना चाहिए। इस समय बच्चे कहानी पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने इत्यादि के मौके मिलते हैं। इनमें पाठ्यपुस्तक के अलावा कविता–कहानियों की रोचक किताबें हों।
- बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग–अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

प्रवाहपूर्ण पठन और आकलन

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' (भाग–2)

15–20 मिनट

बच्चों को जोड़ों में या व्यक्तिगत रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

जब बच्चे पढ़ रहे हों उसी दौरान कक्षा के 4–5 बच्चों का प्रवाहपूर्ण पठन का आकलन करें।

प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन का तरीका

तैयारी: शिक्षक आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और अभ्यास पुस्तिका रख लें।

मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें और अपने पास अभ्यास पुस्तिका की प्रति और पेंसिल रख लें।

↓

एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी प्रति से उस दिन का पाठ पढ़ने को कहें।

↓

बच्चे की अभ्यास पुस्तिका अपने पास रख लें क्योंकि उसी में आपको रिकॉर्ड करना है।

↓

बच्चा जैसे ही पढ़ने लगता है, आप उसके सही और गलत पढ़े गए शब्दों को गौर से सुनें।

↓

जब बच्चा किसी शब्द को गलत पढ़ता है तो उस शब्द के नीचे लाईन खींच दें। अगर उसी शब्द को वह फिर से सही पढ़ लेता है तो उस शब्द के नीचे एक ओर लाइन खींच दें।

↓

जब एक मिनट हो जाए तो अंतिम पढ़े गए शब्द पर ']' का निशान लगा दें। अब इस निशान तक सही पढ़े गए शब्दों को गिनकर 'सही पढ़े गए शब्दों की संख्या' वाले बॉक्स में लिखें और पढ़ने में लिए गए समय को समय वाले बॉक्स में लिख दें।

↓

साथ ही, बच्चों के स्तर के लिए किसी एक बॉक्स में निम्नलिखित मापदंड के अनुसार सही (✓) का निशान लगाएँ।

स्तर 1	नहीं पढ़ पाया या अधिकतम 5 शब्द पढ़ता हो।
स्तर 2	वर्ण/अक्षरों को जोड़-जोड़कर शब्द पढ़ता हो।
स्तर 3	शब्द-दर-शब्द पढ़ रहा हो, वाक्य पर ध्यान नहीं है।
स्तर 4	वाक्य को वाक्य की तरह पढ़ रहा हो।

उस बच्चे के आकलन की जानकारी शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 90 पर दी गई तालिका में भरें।

फिर अन्य बच्चों को बुलाएँ। उनके साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के लिए प्रतिदिन यह प्रक्रिया 4-5 बच्चों से करवाएँ।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- यहाँ यह ध्यान रखना जरूरी है कि इस प्रक्रिया में बच्चों को हतोत्साहित ना होना पड़े। इसलिए सभी बच्चों के लिए सामान्य प्रोत्साहन वाले वाक्य या शब्द ही इस्तेमाल करें।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में आगे हैं, जरूरी नहीं है कि उन बच्चों की विशेष तारीफ हो। बच्चे सीखने की प्रक्रिया में अलग-अलग स्तर पर हो सकते हैं, मगर यह उपलब्धि का आखिरी पड़ाव नहीं है। प्रवाहपूर्ण पठन में पढ़ने के अभ्यास का बहुत महत्व है। भरपूर अभ्यास से बच्चों के स्तर में वृद्धि की जा सकती है।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में पीछे हैं, यानि प्रति मिनट उनके द्वारा सही पढ़े गए शब्दों की संख्या कम है, तो शिक्षक उन बच्चों के पढ़ने के दौरान हो रही गलतियों की प्रकृति पर गौर करें। आप पठन अभ्यास के दौरान इन गलतियों के बारे में बात कर उन्हें सही पढ़ने के मौके दे सकते हैं। अगर एक समय में बच्चों को किसी एक प्रकार की गलती पर ध्यान आकर्षित कराया जाए तो वे बहुत जल्दी से उसे सुधारने लगते हैं।

आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग हैं। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत् आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण को उद्देश्य आधारित प्रक्रिया बनाता है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

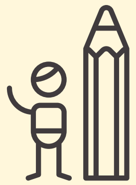

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे समझने में आकलन हमारी मदद करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों का विश्लेषण करने में सहायता करता है।

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों को अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को समझने में सतत् आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा दिए गए जवाब उनकी सीखने की वास्तविक तस्वीर उजागर करते हैं।

3. बच्चों की मदद के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में मदद करता है, साथ ही बच्चों की आवश्यकता के अनुसार उनके लिए प्रभावी शिक्षण रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्ययोजनाओं के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकता के अनुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में मदद करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए उचित समय और अभ्यास के लिए पर्याप्त अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिह्नित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकता के अनुसार बदलाव करें और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

2024-25 की आकलन प्रक्रिया

इस अकादमिक सत्र में तीन प्रकार के आकलन है: साप्ताहिक, सावधिक एवं वार्षिक। इस पर आगे एक-एक करके बात की गई है।

साप्ताहिक आकलन पुनरावृत्ति	सावधिक आकलन	वार्षिक आकलन
हर सप्ताह दिवस 5-6	सप्ताह 11 एवं 20 में	अकादमिक सत्र के अंत में

साप्ताहिक पुनरावृत्ति और आकलन

दिवस 1 → दिवस 2 → दिवस 3 → दिवस 4 → दिवस 5 → दिवस 6

- दिवस 1–4: नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य
- दिवस 5: साप्ताहिक पुनरावृत्ति एवं आकलन
- दिवस 6: दो समूह में कार्य
  - **समूह 1:** रेमेडियल कार्य
  - **समूह 2:** स्व-अभ्यास

दिवस 5: साप्ताहिक पुनरावृत्ति और आकलन (मैंने सीख लिया)

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5 वें दिन रखा गया है।
- सीखी गई विषयवस्तु का दोहरान किया जाएगा। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में वर्ण स्तर की गतिविधि के साथ-साथ ब्लेंडिंग, शब्द पठन, वाक्य पठन की गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है।

'नई महक' अभ्यास पुस्तिका के पुनरावृत्ति के पाठों के पृष्ठ पीले रंग के हैं।

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है, जो उन दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ-साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है, जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।
- इस कार्य को प्रत्येक सप्ताह के दिवस 5 में किया जाएगा। इस दौरान, आकलन के बाद जिन बच्चों ने लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं की है, उनके साथ छठे दिन योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाना है।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति में दो प्रकार से आकलन किया जाना है–
  - सप्ताह 1–8: डिकोडिंग से संबंधित आकलन
  - सप्ताह 9–24: पढ़कर समझना पर आधारित आकलन

1–8 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

समूह 1 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने दोनों दक्षताओं में या किसी एक दक्षता में 50% या उससे कम अंक पाए हैं

समूह 2 : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने दोनों दक्षताओं में 50% से अधिक अंक पाए हैं

जब आप समूह 1 के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब कक्षा के समूह-2 के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, अभ्यास पुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने दें।

9-24 सप्ताह

साप्ताहिक पुनरावृति में दो तरह के कौशलों का आकलन किया जाना है- पढ़कर समझना और श्रुतलेख। पढ़कर समझने के आकलन के लिए अभ्यास पुस्तिका में सप्ताह के अंत में एक पाठ दिया गया है। इस पाठ से पढ़कर समझने के लिए आकलन में दो प्रक्रियाएँ होंगी :-

बच्चों से पाठ बोलकर पढ़वाना

- यह आकलन प्रत्येक बच्चे के साथ अलग-अलग किया जाना है। बच्चे को अपने पास बुलाकर पाठ बोलकर पढ़ने को कहें।
- पढने के दौरान बच्चे जिन शब्दों को पढने में गलती करते हैं, उन्हें नोट करते जाएँ। फिर अंत में अभ्यास पुस्तिका की उनकी प्रति में सही पढ़े गए शब्दों को नोट कर लें।
- पढ़ने के लिए अधिकतम 2 मिनट का समय दें। अगर बच्चे ने पहले वाक्य के सभी शब्द गलत पढ़े हैं तो उसे पढने से रोक दें और समूह-1 के अनुसार कार्य करवाएँ।

पढ़ने के बाद पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछना

- बच्चों से एक-एक कर पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछें। प्रश्न के सही उत्तर के लिए एक अंक दें। तीसरे प्रश्न के उत्तर अलग-अलग हो सकते हैं।
- अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।

दिवस 6: रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/स्व-अभ्यास कार्य (सप्ताह 1-8)

1-8 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गईं दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

दो समूहों में कार्य

समूह-1
जो बच्चे सीखने में पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ कार्य

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ।
- वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढ़कर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- कॉपी में वर्ण/अक्षर को लिखना और गृहकार्य देना।

शब्द स्तर का कार्य
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- लेखन अभ्यास के लिए गृहकार्य देना।

वाक्य स्तर का कार्य
- शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- छोटे-छोटे वाक्य जोड़ों में पढ़वाएँ।

(नोट: इन बच्चों के साथ भी शब्द स्तर पर कार्य करें।)

समूह-2
जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ कार्य

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:
- डिकोडिंग खेल
- कहानी की किताबें/ अभ्यास पुस्तिका पढ़ना।
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना
- 'स्वतंत्र कार्य' पत्रक पर काम करना

दिवस 6: रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/स्व-अभ्यास कार्य (सप्ताह 9-24)

9-24 सप्ताह

आकलन के बाद बच्चों की पढ़कर समझने की स्थिति के अनुसार शिक्षक बच्चों के साथ पुनरावृति कार्य करें। यहाँ चार मुख्य स्थितियों को ध्यान में रखकर रणनीतियाँ दी गई हैं। इनसे अलग स्थिति में भी इन्हीं दो समूह के आधार पर कार्य करें:

समूह	समूह बनाने के लिए स्थिति	छठे दिन शिक्षण कार्य की रणनीति	आगे की योजना
समूह-1	**स्थिति 1:** यदि बच्चे ने 50% से कम शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए। (अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।)	शिक्षक अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। **वर्ण/अक्षर स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षर की पहचान का कार्य • वर्ण/अक्षर को लिखना **शब्द स्तर का कार्य** • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास • वर्ण/अक्षरों को जोड़कर शब्द लिखना **वाक्य स्तर पर कार्य** • शब्द पठन अभ्यास • छोटे-छोटे वाक्य जोड़ों में पढ़ना	यहाँ यह समझना जरूरी है कि समूह-1 के बच्चों के साथ सिर्फ छठे दिन पुनरावृत्ति कार्य करने से बहुत बदलाव नहीं होगा। इन बच्चों के साथ दैनिक स्तर पर वर्ण/अक्षर और शब्द/वाक्य पठन पर कार्य करें।
	स्थिति 2: यदि बच्चा पहले वाक्य से एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया तो आप उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।)		
समूह-2	**स्थिति 1:** बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और कम से कम 2 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	शिक्षक अपनी कक्षा में बच्चों की स्थिति के अनुसार कार्य करवाएँ। जोड़ियों में अन्य पाठ पढ़ने के लिए कहना और प्रश्न पूछकर और जवाब देना बच्चों को आकलन के प्रश्नों को लिखने के लिए कहना	मौखिक भाषा विकास और पढ़कर समझने के दौरान इन बच्चों से प्रश्न पूछकर प्रश्नों की प्रकृति को समझने का अभ्यास करवाएँ। इसके साथ-साथ बच्चों को कहानी की किताबें देकर कुछ बड़े पाठ पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
	स्थिति 2: बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।		

पूर्व की तरह इस पाठ से पठन कौशल के आकलन के बाद शिक्षक बच्चों के साथ दो समूह बनाकर पुनरावृत्ति कार्य करें।

सावधिक आकलन प्रक्रिया

सप्ताह
11 एवं 20

24 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 11वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 20वें सप्ताह में किया जाना है। इसे आंतरिक आकलन प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है।

सावधिक आकलन का सप्ताह 12 दिवस का होगा। पहले दो दिवस में आकलन किया जाएगा तथा शेष 10 दिवसों में सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा।

सावधिक आकलन ⟶ सावधिक पुनरावृत्ति - >

3 4 5 6 7 8 9 10 11 12

सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को सावधिक आकलन के लिए बने ट्रैकर पर दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

- **समूह 1 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% या 50% से कम अंक आए हैं।
- **समूह 2 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% से अधिक अंक आए हैं।

3-12 सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों को दोनों समूहों (समूह 1 एवं 2) के बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार उपयोग में लाएँ।

साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना

कक्षा-3 के सप्ताह 1-24 तक की योजना को साप्ताहिक व दिवसवार विभाजित किया गया है। सप्ताह 1 से 8 तक पुनरावृत्ति की जाएगी। सप्ताह 9 से 24 में कक्षा-3 की दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह के लिए 6 दिन का शिक्षण कार्य मानते हुए दैनिक कार्य योजना बनाई गई है। यह शिक्षण कार्य 3 अलग-अलग खंडों में होगा। प्रत्येक खंड की प्रस्तावित गतिविधियों पर कैसे काम करना है, इससे संबंधित दिशा-निर्देश संदर्शिका के पृष्ठ 15 से 39 तक दिए गए हैं। शिक्षक प्रत्येक दिन की कार्य योजना पूरी होने के बाद ट्रैकर वाले कॉलम में अपने हस्ताक्षर करके दिनांक लिखें।

सप्ताह-1				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास (30 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (देश की माटी) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि-1 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-1 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-1 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (देश की माटी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि-2 (मौखिक रूप से), 3 और 4 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-2 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-1 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-1 (देश की माटी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि-5 (ग और घ-मौखिक रूप से) और 6 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-3 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-1 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-1 पर मौखिक कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-4 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-1 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-1 22	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-5 पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-1' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह–2				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास (30 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 (सांझे की खेती) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि-1 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-6 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-2 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 (सांझे की खेती) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि-2 (मौखिक रूप से), गतिविधि 3 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-7 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-2 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 (सांझे की खेती) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि-4 (क-लेखन के रूप में और ख- मौखिक रूप से) पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-8 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-2 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-2 पर मौखिक कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-9 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-2 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-2 (22)	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-10 (पुनरावृत्ति) पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-2' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-3				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 (इठलाती बूँद) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि-1 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-11 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-3 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 (इठलाती बूँद) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि-2 (मौखिक रूप से), 3 और 5 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-12 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-3 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 (इठलाती बूँद) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि-4 (मौखिक) पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-13 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-3 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-3 पर मौखिक कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-14 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-3 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-3 22	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-15 (पुनरावृत्ति) पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-3' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-4				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास (30 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 (मीठे बोल) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा – गतिविधि-1 और 2 (मौखिक) पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-16 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-4 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 (मीठे बोल) पर कार्य – भाग-1 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन – गतिविधि 3 और 4 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-17 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-4 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 (मीठे बोल) पर कार्य – भाग-2 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन – गतिविधि 5 पर कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-18 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-4 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-4 पर मौखिक कार्य	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-19 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से पठन: अभ्यास-4 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-4 23	• वर्णों/मात्राओं की पुनरावृत्ति • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-20 (पुनरावृत्ति) पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-4' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-5				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (दिव्या की चिट्ठी) पर कार्य – पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-21 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-5 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (दिव्या की चिट्ठी) पर कार्य – भाग ('प्यारे पापा..... पर दी थी') पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-22 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-6 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (दिव्या की चिट्ठी) पर कार्य – भाग ('मेरे जो दाँत.... आपकी बेटी दिव्या') पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-23 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-7 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-5 पर मौखिक कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-24 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-8 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-5 23	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-25 (पुनरावृत्ति) पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-5' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: इस सप्ताह में आए पाठ्यपुस्तक के पाठ पर अगले सप्ताह भी कार्य किया जाएगा। अगले सप्ताह मुख्य रूप से पाठ में दी गई गतिविधियों पर मौखिक और लिखित कार्य होगा।

सप्ताह-6				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (दिव्या की चिट्ठी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 1 और 2 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-26 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-9 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (दिव्या की चिट्ठी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3, 5 और 6 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-27 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-10 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 (दिव्या की चिट्ठी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि-4 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-28 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-11 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-6 पर मौखिक कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-29 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-12 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-6 23	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-30 (पुनरावृत्ति) पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-6' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-7				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (चींटी और मक्खी) पर कार्य – पढ़कर सुनाना और विस्तृत चर्चा	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-31 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-13 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (चींटी और मक्खी) पर कार्य – भाग ('चींटी से मक्खी.... दिन भर खाएँ, दिन भर गाएँ') पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-32 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-14 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (चींटी और मक्खी) पर कार्य – भाग ('चींटी बोली.... पछताए') पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-33 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-15 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-7 पर मौखिक कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-34 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-16 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-7 24	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-35 (पुनरावृत्ति) पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-7' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: इस सप्ताह में आए पाठ्यपुस्तक के पाठ पर अगले सप्ताह भी कार्य किया जाएगा। अगले सप्ताह मुख्य रूप से पाठ में दी गई गतिविधियों पर मौखिक और लिखित कार्य होगा।

सप्ताह-8				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (चींटी और मक्खी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 1 और 2 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-36 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-17 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (चींटी और मक्खी) पर मौखिक चर्चा – गतिविधि 3 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-37 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-18 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 (चींटी और मक्खी) पर मौखिक चर्चा – गतिविधि 4 पर कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-38 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-19 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-8 पर मौखिक कार्य	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-39 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: अभ्यास-20 पर पठन कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-8 24	• शब्द और वाक्य आधारित कार्य • अभ्यास पुस्तिका के पाठ-40 (पुनरावृत्ति) पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-8' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह–9				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग–1 एवं संबंधित पठन–लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग–2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ–6 (चींटी और हाथी) पर कार्य – पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–41 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–21 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ–6 (चींटी और हाथी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – भाग–1 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–41 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–22 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ–6 (चींटी और हाथी) पर कार्य – मौखिक चर्चा – भाग–2 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–42 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–23 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र–कथा–1 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–42 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–24 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि–9 24	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ–43 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका– 'मैंने सीख लिया–9' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-10				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 (मेरी गुजरात यात्रा) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा (15 जून 2015 की डायरी)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-44 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-25 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 (मेरी गुजरात यात्रा) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा (17 जून 2015 की डायरी)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-44 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 (मेरी गुजरात यात्रा) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा (19 जून 2015 की डायरी)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-45 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-2 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-45 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-28 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-10 25	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-46 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-10' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

नोट: इस सप्ताह में आए पाठ्यपुस्तक के पाठ पर अगले सप्ताह भी कार्य किया जाएगा। अगले सप्ताह मुख्य रूप से पाठ में दी गई गतिविधियों पर मौखिक और लिखित कार्य होगा।

सप्ताह-11 (सावधिक आकलन - 1)				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-7 (मेरी गुजरात यात्रा) पर कार्य • मौखिक चर्चा और गतिविधि 1 और 2 पर कार्य	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-7 (मेरी गुजरात यात्रा) पर कार्य • मौखिक चर्चा और गतिविधि 3 पर कार्य	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-7 (मेरी गुजरात यात्रा) पर कार्य • मौखिक चर्चा और गतिविधि 4 और 5 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-47 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-3 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-47 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-48 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-48 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
7	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • पाठ्यपुस्तक पाठ-6 पर दोहरान कार्य • पाठ पढ़कर सुनाना और चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-49 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
8	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • पाठ्यपुस्तक पाठ-5 पर दोहरान कार्य • पाठ पढ़कर सुनाना और चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-49 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
9	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-50 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
10	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-50 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
11	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • चित्र-कथा चार्ट पर चर्चा और लेखन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-51 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
12	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-51 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-12				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (भाईचारा) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा – गतिविधि-1 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-52 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-29 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (भाईचारा) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा – गतिविधि 2 और 3 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-52 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-30 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (भाईचारा) पर कार्य – पिछले दिन के पाठ की पुनरावृत्ति – गतिविधि 4 और 5 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-53 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-31 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-4 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-53 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-32 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-12 25	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-54 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-11' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-13				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (कुछ और पढ़ें-कुछ और समझ में आई नहीं) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-55 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-33 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (कुछ और पढ़ें-कुछ और समझ में आई नहीं) पर कार्य – मौखिक चर्चा – भाग-1 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-55 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-34 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (कुछ और पढ़ें-कुछ और समझ में आई नहीं) पर कार्य – मौखिक चर्चा – भाग-2 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-56 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-35 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-5 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-56 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-36 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-13 26	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-57 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-12' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-14				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास (30 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन (40 मिनट)	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) (20 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 (चाँद का कुरता) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-58 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-37 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 (चाँद का कुरता) पर कार्य – मौखिक चर्चा – भाग-1 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-58 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-38 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (कुछ और पढ़ें-कुछ और समझ में आई नहीं) पर कार्य – मौखिक चर्चा – भाग-2 पर मार्गदर्शन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-59 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-39 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-5 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-59 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-40 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-13 26	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-60 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-13' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-15				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 (चाँद का कुरता) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा – गतिविधि 1, 2 और 3 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-61 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-41 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 (चाँद का कुरता) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 4 और 5 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-61 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-42 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-8 (कुछ और पढ़ें- से बात समझ में आई नहीं) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 6 और 7 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-62 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-43 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-6 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-62 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-44 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-14 26	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-63 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-14' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-16				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कर्म की जीत) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा ('एक बार.... थक चुका था')	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-64 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-45 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कर्म की जीत) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा ('एक दिन.... गूँज उठी')	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-64 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-46 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कर्म की जीत) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा ('इंद्र ने.... यह जीत हुई')	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-65 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-47 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-7 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-65 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-48 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-15 27	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-66 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-15' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-17				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कर्म की जीत) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 1 और 4 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-67 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-49 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कर्म की जीत) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 5 और 6 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-67 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-50 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कर्म की जीत) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 2 और 3 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-68 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-51 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • चित्र-कथा-8 पर लिखित कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-68 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-52 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-16 27	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-69 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-16' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-18				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कुछ और पढ़ें- शेर और मच्छर की मुठभेड़) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-70 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-53 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कुछ और पढ़ें- शेर और मच्छर की मुठभेड़) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-70 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-54 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 (कुछ और पढ़ें- शेर और मच्छर की मुठभेड़) पर कार्य – पाठ पर पुनरावृत्ति	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-71 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-55 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव/घटना लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-71 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-56 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-16 27	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-72 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-17' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-19				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (पहेलियाँ) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा (पहेली 1-4)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-73 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-57 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (पहेलियाँ) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा (पहेली 5-8)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-73 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-58 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (पहेलियाँ) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा (पहेली 9-12)	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-74 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-59 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव/घटना लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-74 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-60 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-17 27	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-75 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका– 'मैंने सीख लिया-18' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-20 (सावधिक आकलन-2)				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (पहेलियाँ) पर कार्य • गतिविधि 1 और 2 पर कार्य	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (पहेलियाँ) पर कार्य • गतिविधि 3 और 4 (ख) पर कार्य	आकलन		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-11 (पहेलियाँ) पर कार्य • गतिविधि 4 (ग और घ) पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-76 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव/घटना/लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-76 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-77 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-77 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
7	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • पाठ्यपुस्तक पाठ-10 पर दोहरान कार्य • पाठ पढ़कर सुनाना और चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-78 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
8	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • पाठ्यपुस्तक पाठ-9 पर दोहरान कार्य • पाठ पढ़कर सुनाना और चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-78 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
9	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-79 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
10	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-79 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
11	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • अनुभव लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-80 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
12	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • कहानी सुनाना और अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-80 पर कार्य • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-21				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (हरियाली तीज) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा ('सावन.. डाला रोकना कहते हैं')	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-81 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-61 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (हरियाली तीज) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा ('तीज से पहली रात.... वीरा आवेगा')	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-81 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-62 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (हरियाली तीज) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा ('इस त्यौहार.... सामान की')	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-82 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-63 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव/घटना लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-82 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-64 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-19 28	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-83 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-19' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-22				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (हरियाली तीज) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 1 और 2 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-84 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-65 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (हरियाली तीज) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 3 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-84 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-66 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-12 (हरियाली तीज) पर कार्य – मौखिक चर्चा – गतिविधि 4 और 5 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-85 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-67 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव/घटना लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-85 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-68 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-19 28	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-86 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-20' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-23				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (चुहिया का विवाह) पर कार्य – पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-87 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-69 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (चुहिया का विवाह) पर कार्य – मार्गदर्शन में पठन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-87 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-70 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (चुहिया का विवाह) पर कार्य – मार्गदर्शन में पठन और जोड़ों में पठन	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-88 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-71 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव/घटना लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-88 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-71 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-20 29	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-89 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-21' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-24				
दिन	पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास 30 मिनट	अभ्यास पुस्तिका भाग-1 एवं संबंधित पठन-लेखन 40 मिनट	पठन (अभ्यास पुस्तिका भाग-2) 20 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (चुहिया का विवाह) पर कार्य – पाठ मौखिक चर्चा – गतिविधि 1 और 2 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-90 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-72 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (चुहिया का विवाह) पर कार्य – पाठ मौखिक चर्चा – गतिविधि 3 और 4 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-90 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-73 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक पाठ-13 (चुहिया का विवाह) पर कार्य – पाठ मौखिक चर्चा – गतिविधि 6 (मौखिक) और 7 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-91 पर कार्य – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना और चर्चा – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन में पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-74 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव/घटना लेखन पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-91 पर कार्य – शिक्षक द्वारा आदर्श पठन – बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-74 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (कविता पोस्टर) • सृजनात्मक गतिविधि: गतिविधि-21 29	• अभ्यास पुस्तिका के पाठ-92 (पुनरावृत्ति) पर कार्य – आदर्श पठन और बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन – पाठ आधारित लेखन अभ्यास • अभ्यास पुस्तिका- 'मैंने सीख लिया-22' (साप्ताहिक आकलन)	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • कहानी सुनाना और अभिनय	• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन (जो बच्चे पढ़ सकते हैं)	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

दैनिक शिक्षण योजना का नमूना

सप्ताह-5 दिवस-1 खंड-1

मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता या बालगीत
- पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3, पाठ-5- 'दिव्या की चिट्ठी'
- पत्रों के कुछ नमूने या उनके चित्र जैसे- पोस्ट कार्ड, अन्तर्देशीय पत्र, लिफाफा आदि।
- पाठ से संबंधित बंद व खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से बनाकर तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें।
- चर्चा के दौरान कक्षा में बच्चों को घर की भाषा इस्तेमाल करने के भरपूर मौके दें।
- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।

कविता/बालगीत/गतिविधि पर कार्य: ओला-ओला, बम का गोला

- कविता को पूरे हाव-भाव के साथ और उतार-चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ और बच्चों को साथ में कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता के शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

झिलमिल के पाठ-5 'दिव्या की चिट्ठी' पर कार्य

- शिक्षक बच्चों से कहें, आज हम चिट्ठी के बारे में बात करेंगे। आज के पाठ में एक चिट्ठी है। "मैं पाठ 'दिव्या की चिट्ठी' को पढ़कर सुनाऊँगा/सुनाऊँगी।" शिक्षक बच्चों से चिट्ठी या पत्र के बारे में थोड़ी चर्चा करें। अब बच्चों को अपनी-अपनी पाठ्यपुस्तक में पाठ खोलने के लिए कहें। पाठ में दिए गए चित्रों को देखने और चित्र के आधार पर पाठ का अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- आपके अनुसार चिट्ठी में क्या-क्या होगा? आप क्या सोचते हैं, यह चिट्ठी किस बारे में होगी?
- अब शिक्षक 'दिव्या की चिट्ठी' पाठ को बच्चों को उचित उतार-चढ़ाव, पूरे हाव-भाव और लय का इस्तेमाल करते हुए पाठ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये जरूर सुनिश्चित कर लें कि बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।
- शिक्षक पाठ पढ़कर सुनाने के बाद बच्चों के अनुमानों पर चर्चा करें, जैसे- आप सभी ने पाठ सुनने से पहले जो अनुमान लगाया था, क्या यह पाठ उस बारे में था? यदि नहीं तो क्या अलग था? क्या पाठ में वही बातें थीं, जिनका आपने अनुमान लगाया था? यदि नहीं तो क्या अलग था? दिव्या का पत्र उसके पापा के पास कैसे पहुँचा ?आदि।
- इसके बाद शिक्षक बच्चों को पत्रों के नमूने या उनके चित्र दिखाएँ और उनके नामों से परिचित करवाएँ, जैसे- पोस्ट कार्ड, अन्तर्देशीय पत्र, लिफाफा, ई-मेल आदि।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या सभी बच्चे चिट्ठी के कार्यों या उद्देश्यों को समझ पाए।
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर अगले खंड में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

खंड-2

डिकोडिंग, अभ्यास पुस्तिका आधारित पठन एवं संबंधित लेखन (40 मिनट)

'नई महक' के पाठों पर कार्य (पाठ-21)

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, नई महक अभ्यास पुस्तिका

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- अभ्यास पुस्तिका के पाठ को पहले से देख लें।
- कक्षा के सभी बच्चों को उनके स्तर के अनुसार कार्य में शामिल करें।
- जिन बच्चों को डिकोडिंग के कार्य की अधिक आवश्यकता है उनकी सहभागिता पर अधिक जोर दें।
- पाठ को एक बार पढ़ लें।

प्रक्रिया

- शिक्षक कल कराए गए कार्य के बारे में पूछें और कल पढ़ाए गए कुछ शब्द या वाक्य बच्चों से दोहराने के लिए कहें। (5-10 मिनट)
- अब अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' से पाठ- 21 में कार्य के निर्देश एक बार बच्चों को समझाएँ, फिर कार्य करने के लिए कहें।
- पाठ को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को एक बार हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- सभी बच्चों को वह पाठ जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें।
- जिन बच्चों को मदद की आवश्यकता है, उनकी आवश्यकतानुसार पढ़ने में मदद करें।
- पाठ पढ़ लेने के बाद सभी बच्चों का ध्यान श्रुतलेख की गतिविधि की तरफ दिलवाएँ।
- 4 से 5 शब्दों का एक सरल वाक्य जैसे- 'आज गाय ने चारा खाया' सोचें और उसे साफ आवाज में कक्षा में बोलें। 2 से 3 बार उस वाक्य को दोहराएँ और बच्चों से पूछें कि आपने क्या बोला।
- जब बच्चे बता चुके हों तो बच्चों को वाक्य लिखने के लिए कहें।
- अब बच्चों के कार्य पर उचित फीडबैक दें और अपने हस्ताक्षर करें और दिनाँक लिखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या सभी बच्चे पाठ को पढ़ पाए और सभी गतिविधियाँ कर पाए?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ और आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें।

पठन अभ्यास

अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' के भाग-2 सप्ताह-5 के प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास-5 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' खंड-2 सप्ताह-5

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ को एक बार पहले से देख लें और कुछ अतिरिक्त कहानी की किताबें या टेक्स्ट अपने पास रखें।

प्रक्रिया

- शिक्षक सभी को 'नई महक' के खंड-2 से सप्ताह-5 खोलने के लिए कहें।
- सभी को यह पाठ जोड़ों में पढ़ने के लिए कहें।
- कक्षा में किसी एक बच्चे को बुलाएँ और उससे पाठ पढने के लिए कहें।
- सही पढ़े गए शब्दों को उसके द्वारा पढ़े गए पाठ में दिए कॉलम में दर्ज करें।
- अब इसी तरह अन्य 4 से 5 बच्चों के साथ भी यही प्रक्रिया अपनाएँ।
- इतने बाकी बच्चों को पढ़ने दें और आवश्यकतानुसार बच्चों की मदद करें।
- कक्षा में बच्चों को दो-दो के जोड़े में बिठाएँ। महक अभ्यास पुस्तिका खंड-2 सप्ताह-5 के पाठ को पढ़ने को कहें। आवश्यकता होने पर उनकी मदद करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या सभी बच्चे पाठ को पढ़ पाए?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ। उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

सप्ताह-5 दिवस-5

खंड-1

मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

सृजनात्मक गतिविधि- 'अजीब कहानी हमने बनाई'

मौखिक भाषा

तैयारी और सामग्री

- बच्चों को जोड़ों में बाँटने का तरीका पहले से ही सोच लें।
- कौन-सा समूह किस क्रम में प्रस्तुति देगा, पहले से बच्चों के साथ मिलकर तय कर लें।
- प्रस्तुतिकरण पर जिन प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की जानी है, उन्हें डायरी में नोट कर लें।
- वस्तुओं जानवर/पक्षी/पेड़-पौधे (जो इंसान नहीं हैं) आदि के नामों की पर्चियाँ बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों द्वारा गतिविधि करते समय कक्षा में घूम-घूमकर उनकी चर्चा को सुनें और जरूरी मदद प्रदान करें।
- प्रस्तुतिकरण के दौरान कक्षा में बच्चों को घर की भाषा इस्तेमाल करने के भरपूर मौके दें।
- अगर बच्चे अपेक्षित तरीके से कार्य नहीं कर पा रहे हैं तो उन्हें सुझाव दें और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रक्रिया

- कविता सुनाना और दोहरान करना (3-5 मिनट) - कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
- सृजनात्मक गतिविधि के लिए बच्चों को बताएँ कि हम आज एक खेल खेलेंगे, जिसका नाम है- 'अजीब कहानी।' इसमें हम सभी किसी एक वस्तु या जानवर पर कहानी बनाएँगे।
- अब सभी बच्चों को गतिविधि समझाएँ और कोई एक उदाहरण बच्चों को दें जैसे- मेरे पास शब्द है- 'मोर' और मैं मोर बनकर बात करूँगी- ''मुझे एक बार रास्ते में एक बच्चा दिखा। वह मेरे पीछे-पीछे चलने लगा। मैं एक खेत से निकला और दूसरे खेत में जा घुसा। मगर बच्चा मेरे पीछे ही खड़ा रहा। मैं बहुत डर गया। मैं फौरन उड़ा और पेड़ पर जा बैठा। मैं उसके जाने का इंतजार करता रहा, मगर वह मुझे घूरता ही रहा, आदि।''
- अब बच्चों को जोड़ों में बाँटें और हर जोड़े को 2 वस्तुओं/जानवर/पक्षी/पेड़-पौधे बादल, चिड़िया (जो इंसान नहीं हैं) आदि का नाम लिखी पर्चियों में से एक पर्ची उठाने के लिए कहें।
- अब हर जोड़ी को 5-7 मिनट सोचने और बात करने के लिए दें और आगे के 5 मिनट सभी को उसे कहने और लिखने के लिए कहें।
- कहानी लिख लेने के बाद हर जोड़ी को प्रस्तुतिकरण के लिए बुलाएँ। इसके लिए 2-3 मिनट का समय दें।
- सभी जोड़ों के प्रस्तुतिकरण के बाद बच्चों से बातचीत करें कि क्या सबसे अच्छा लगा, क्या और बेहतर किया जा सकता है, आदि।
- इसके बाद प्रत्येक जोड़े की कहानी को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' में लगा दें।

डिकोडिंग एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)

'नई महक' के पाठों पर पुनरावृत्ति का कार्य (पाठ-25) और साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- जिन बच्चों का आकलन हो चुका है, उनके लिए योजना तैयार रखें।
- आकलन के रिकॉर्ड के लिए संदर्शिका पास में रखें।
- पुनरावृत्ति और आकलन के लिए संदर्शिका का नोट अच्छे से पढ़ लें।

प्रक्रिया

पुनरावृत्ति

- सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका के पाठ-25 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को पाठ में दिए टेक्स्ट को उचित हाव-भाव से पढ़कर सुनाएँ।
- अब पाठ को जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें। इसके लिए बच्चों को 5-10 मिनट का समय दें।
- पाठ पढ़ लेने के बाद सभी को आगे के पाठ पर कार्य के निर्देशों को समझाएँ और चर्चा करें। सभी को कार्य करने दें।

आकलन

- अब एक-एक बच्चे के पास जाएँ और आकलन 'मैंने सीख लिया' की शीट पर कार्य करें।
- आप इस कार्य में बच्चों की सहायता न करें, बल्कि प्रोत्साहन दें।
- बच्चों द्वारा सही पढ़े गए शब्दों पर एक छोटा-सा निशान लगा दें और उपयुक्त जगह में उनके द्वारा प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया है तो उसके आकलन पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर उसमें (-) का चिन्ह लगा दें। शिक्षक संदर्शिका में दी गई तालिका में उनके स्तर और समूह को दर्ज करें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन पत्रक पर कार्य करने के बाद उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें। आकलन पत्रक पर कार्य करने के बाद या 10-15 मिनट बाद सभी के साथ श्रुतलेखन का कार्य करवाएँ। ये गतिविधि पूरी कक्षा के साथ एक साथ की जाएगी।
- आकलन के परिणाम के अनुसार जिन बच्चों के अंक 50% से कम हैं, उनको समूह-1 में चिन्हित करें और जिनके 50% से अधिक हैं, उन्हें समूह-2 के लिए चिन्हित करें।

नोट: यदि इस समय में आकलन पूरा नहीं होता है तो पठन के समय में भी आकलन करते रहें। पठन के समय में जिस बच्चे का आकलन किया जा रहा है, उसे छोड़कर बाकी सभी बच्चों के साथ पठन खंड का कार्य जारी रखें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों का आकलन हो पाया?
- क्या सभी बच्चे पाठ को पढ़ पाए?
- यदि नहीं तो उन बच्चों के साथ पठन खंड में भी आकलन जारी रखें, जिनके साथ आकलन नहीं हुआ है।
- यदि सभी पाठ नहीं पढ़ पाए हैं तो उन्हें छठे दिन अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ। आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड-3

पठन अभ्यास

स्वतंत्र पठन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरिज की किताबें या अन्य कहानियों की किताबें

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें।
- उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों के आकलन डिकोडिंग खंड में नहीं हुआ है, उनका आकलन करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या सभी बच्चे पाठ या किताब को पढ़ पाए?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ। आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

सप्ताह-5 दिवस-6

खंड-1

मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

मौखिक भाषा विकास - कहानी सुनाना और अभिनय

तैयारी और सामग्री

- कौन-सा समूह किस क्रम में प्रस्तुति देगा, पहले से बच्चों के साथ मिलकर तय कर लें।
- प्रस्तुतिकरण पर जिन प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की जानी है, उन्हें डायरी में नोट कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- किसी कहानी को नाटक के रूप में अभिनय करना एक उपयोगी भाषाई कौशल है। अभिनय करते हुए बच्चे उस पात्र के नजरिए से भी कहानी को समझ रहे होते हैं। इससे संवेदनशीलता और अन्य नजरिए से किसी घटना को समझने जैसे कौशल विकसित होते हैं।

प्रक्रिया

अभिनय करना

- बच्चों को पिछले सप्ताहों में पढ़ी-सुनी कहानियों के नाम याद दिलाएँ और प्रत्येक समूह को अपने लिए एक कहानी चुनने के लिए कहें।
- चुनी हुई कहानी पर बच्चों को अभिनय करने के लिए प्रेरित करें। पात्र चुनने, संवाद गढ़ने, आस-पास मौजूद वस्तुओं का उपयोग करने (प्रोपर्टी के तौर पर) में मदद और मार्गदर्शन करें।
- बच्चों को संवाद गढ़ते समय अपनी घर की भाषा इस्तेमल करने का मौका दें। ये संवाद बच्चे मौखिक गढ़ेंगे, इस कार्य में उनकी मदद करें। जैसे- कहानी में बिल्ली पात्र है तो वह कैसे बोलेगी, क्या बोलेगी, कैसे चलेगी, उसके हाव-भाव कैसे होंगे इत्यादि।
- शुरुआती कहानियों पर अभिनय करते समय एक पात्र शिक्षक स्वयं भी चुनें। इससे बच्चों को पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी व उनकी झिझक दूर होगी।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड-2

डिकोडिंग, अभ्यास पुस्तिका आधारित पठन एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)

'नई महक' के पाठों पर कार्य (सप्ताह-5 मैंने सीख लिया)

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- दिवस 5 में किए गए आकलन के आधार पर समूह की जानकारी रखें।
- बच्चों के लिए यदि अतिरिक्त सामग्री की आवश्यकता है तो इसे तैयार रखें।

प्रक्रिया

- शिक्षक 50% से कम और ज्यादा के आधार पर बच्चों को समूह-1 और समूह-2 में बाँटें।
- समूह-1 के साथ बच्चों के साथ वर्ण/अक्षर पहचान, शब्द पठन पर कार्य करें।
- समूह-2 के साथ इन बच्चों की जोड़ियाँ बनाएँ, उन्हें पाठ पढ़ने को दें और एक-दूसरे को पढ़कर प्रश्न पूछने और जवाब देने को कहें।

पठन अभ्यास

खंड-3

स्वतंत्र पठन (HIN307)

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरिज की किताबें या अन्य कहनियों की किताबें

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें।
- उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों के साथ रेमेडियल का कार्य करने की और आवश्यकता है, उनके साथ रेमेडियल का कार्य करते रहें और बाकी बच्चों को स्वतंत्र पठन करने दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

सप्ताह-14 दिवस-1

खंड-1

मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

पाठ्यपुस्तक से पाठ पढ़कर सुनाना, विस्तृत चर्चा और अभ्यास कार्य

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता या बालगीत
- पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3, पाठ-9 - 'चाँद का कुरता'
- पाठ से संबंधित बंद व खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से बनाकर तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ सुनाने के दौरान स्पष्ट और सरल भाषा शैली का इस्तेमाल करें।
- चर्चा के दौरान कक्षा में बच्चों को घर की भाषा इस्तेमाल करने के भरपूर मौके दें।
- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।

प्रक्रिया - कविता/बालगीत

- कविता को पूरे हाव-भाव के साथ और उतार-चढ़ाव के साथ करवाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों के साथ कविता दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा दो से तीन बार करें, ताकि बच्चे कविता के शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने के लिए कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी कोई कविता या बालगीत उनसे सुनें।

'झिलमिल' के पाठ पर कार्य

- शिक्षक बच्चों से कहें, ''मैं आपको पाठ्यपुस्तक के पाठ 'चाँद का कुरता' को पढ़कर सुनाऊँगा/सुनाऊँगी।'' अब बच्चों को अपनी-अपनी पाठ्यपुस्तक में पाठ खोलने के लिए कहें। पाठ में दिए गए चित्रों को देखने और चित्र के आधार पर कविता का अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- आपके अनुसार पाठ में कौन-कौन होगा ? आप क्या सोचते हैं, यह पाठ किस बारे में होगा?
- अब शिक्षक 'चाँद का कुरता' पाठ को बच्चों को उचित उतार-चढ़ाव, पूरे हाव-भाव और लय का इस्तेमाल करते हुए पाठ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता करें कि बच्चे पाठ सुनकर समझ रहे हैं या नहीं। ध्यान दें कि इस दौरान अधिक चर्चा ना की जाए। ये जरूर सुनिश्चित कर लें कि बच्चों का पाठ सुनने पर पूरा ध्यान है।
- शिक्षक पाठ पढ़कर सुनाने के बाद बच्चों के अनुमानों और समझ पर चर्चा करें, जैसे- आप सभी ने पाठ सुनने से पहले जो अनुमान लगाया था, क्या यह पाठ उस बारे में था? यदि नहीं तो क्या अलग था? क्या पाठ में वही किरदार थे, जिनका आपने अनुमान लगाया था? यदि नहीं तो क्या अलग था? चाँद को कौन-सा कुरता पसंद आया ? आदि।
- शिक्षक पाठ में आए कठिन शब्दों की सूची पहले ही बना लें। इन कार्डों पर एक तरफ शब्द और उसका अर्थ लिखा हो (जैसे- झिंगोला - झबला, सलोने - सुंदर, रोज - प्रतिदिन)। दूसरी तरफ वाक्यों में प्रयोग के दो या तीन उदाहरण हों (जैसे- अपने कुत्ते को सर्दी से बचाने के लिए मैंने उसे एक झिंगोला पहना दिया है)। इन कार्डों की मदद से बच्चों को शब्दों के अर्थ समझाएँ और वाक्यों में प्रयोग के उदाहरण दें। फिर बच्चों से भी इन शब्दों का प्रयोग करते हुए दो-तीन वाक्य बनवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड–2

डिकोडिंग, अभ्यास पुस्तिका आधारित पठन एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' के पाठ–58 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'
- खुले व बंद छोर के प्रश्नों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- पाठ को एक बार पढ़ लें।

प्रक्रिया

- सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका का पाठ खोलने के लिए कहें।
- फिर बच्चों से चित्र और कहानी के विषय पर अनुमान लगाने के लिए कहें कि कहानी किस बारे में होगी? बच्चों के साथ कहानी के नाम और चित्र पर चर्चा करें।
- अब पाठ को पूरे हाव–भाव और उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों के साथ, बंद व खुले छोरे के प्रश्न करते हुए विस्तृत चर्चा करें। जैसे- भालू क्या खाना चाहता था? मधुमक्खी ने क्या किया? भालू और क्या खा सकता था? आदि।
- अब पूरी कक्षा को ये पाठ जोड़ों में पढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चे जोड़ो में पाठ पढ़ रहे हों तो बच्चों के पास जाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- जब बच्चे पढ़ चुके हों तो 2–3 बच्चों को पूरी कक्षा के सम्मुख उस पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड-3

पठन अभ्यास

प्रवाहपूर्ण पठन और आकलन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' खंड-2
- मोबाइल फोन/स्टॉप वाच
- पेंसिल
- शिक्षक संदर्शिका में दिए आकलन के तरीके को एक बार पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को पठन में शामिल करें।

प्रक्रिया

- सभी बच्चों को अभ्यास पुस्तिका के खंड 2 के पठन अभ्यास 5 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को वह पाठ खुद से पढ़ने को कहें।
- इसी बीच कक्षा से 3-4 बच्चों को एक-एक कर के अपने पास बुलाएँ और उन्हें पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चा पढ़ना शुरू कर दे तो मोबाइल का टाइमर शुरू करें।
- एक मिनट होने पर टाइमर रोक दें और जहाँ तक बच्चे ने पढ़ा है, वहाँ पर बच्चे की अभ्यास पुस्तिका में कोष्टक ']' लगा दें।
- बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उन्हें गिनकर सही पढ़े गए शब्दों के खाने में लिख दें।
- बच्चे के स्तर के अनुसार दी गई टेबल में स्तर दर्ज करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने में भाग लिया?
- क्या सभी बच्चे सहजता के साथ पढ़ पा रहे थे?

सप्ताह-14 दिवस-2

खंड-1

मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

शिक्षक द्वारा मौखिक रूप से पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास कार्य (पाठ- चाँद का कुरता)

तैयारी और सामग्री

- स्थानीय कविता या बालगीत
- पाठ्यपुस्तक झिलमिल-3, पाठ 9- 'चाँद का कुरता'
- पाठ से संबंधित बंद व खुले छोर के प्रश्नों की सूची पहले से बनाकर तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- चर्चा के दौरान कक्षा में बच्चों को घर की भाषा इस्तेमाल करने के भरपूर मौके दें।
- आवश्यक सवालों की सूची तैयार रखें।

प्रक्रिया

- कविता सुनाना और दोहरान करना- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
- सभी बच्चों से पूछें कि कल क्या पढ़ा था? उनसे इस पर चर्चा करें। अब सभी बच्चों से पाठ्यपुस्तक का पाठ 'चाँद का कुरता' खोलने के लिए कहें।
- पाठ को एक बार पूरे हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ और चर्चा करें। बच्चों से कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें, जो पिछले दिन नहीं पूछे थे जैसे- 'हठ कर बैठा चाँद एक दिन' इसका क्या मतलब है? चाँद के अलावा और कौन-कौन घटता-बढ़ता होगा या है? कुरता क्यों नहीं बन पा रहा था? क्या तुम चाँद का कुरता बना सकते हो?
- अब सभी बच्चों को जोड़ियों में बाँटें और भाग-1 'हठ कर बैठा .... तुझको जादू-टोना' तक पढ़ने के लिए कहें।
- सभी जोड़ियों में बारी- बारी से जाएँ और आवश्यकता पड़ने पर उनकी मदद करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड-2

डिकोडिंग, अभ्यास पुस्तिका आधारित पठन एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' के पाठ-58 पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'
- खुले व बंद छोर के प्रश्नों की सूची बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों के कार्य की समीक्षा अवश्य करें, उन्हें उचित फीडबैक दें।

प्रक्रिया

- पिछले दिन पढ़ाई गई कहानी 'कालू-भालू' बच्चों से पूछें कि उन्होंने कल कौन-सी कहानी पढ़ी थी, फिर एक या दो बच्चों से मौखिक रूप से कहानी सुनें। कुछ एक या दो सवाल कहानी के बारे में पूछें।
- एक बार फिर से उचित उतार-चढ़ाव के साथ बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाएँ।
- सभी बच्चों को अपनी-अपनी अभ्यास पुस्तिका से पाठ को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें।
- जो बच्चे पिछले दिन अनुपस्थित थे या जिन बच्चों को पढ़ने में दिक्कत है, उन्हें आवश्यकतानुसार उनकी पढ़ने में मदद करें।
- पाठ पढ़ने के बाद बच्चों को प्रत्येक गतिविधि का निर्देश दें और समझाएँ कि किस प्रश्न में क्या करना है।
- आवश्यकता पड़ने पर गतिविधि का उदाहरण दें।
- शब्द पठन के लिए शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- पाठ पर कार्य के बाद सभी बच्चों को सुनकर लिखने का कार्य करवाएँ। निर्देश के अनुसार शब्द या वाक्य का चयन कर लें। अब बच्चे वाक्य बोलकर सुनाएँ। बोला गया वाक्य बच्चों से दोहराने के लिए कहें। अब बच्चों को बोला गया वाक्य लिखने के लिए कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड-3

पठन अभ्यास

अभ्यास पुस्तिका भाग-2 से प्रवाहपूर्ण पठन

अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' के खंड-2 सप्ताह-14 पर पठन - अभ्यास कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' खंड-2
- मोबाइल फोन/स्टॉप वाच
- पेंसिल
- शिक्षक संदर्शिका में दिए आकलन के तरीके को एक बार पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक सभी बच्चों को पठन में शामिल करें।

प्रक्रिया

- सभी बच्चों को अभ्यास पुस्तिका के खंड 2 के पठन अभ्यास 5 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को वह पाठ खुद से पढ़ने को कहें।
- इसी बीच कक्षा से 3-4 बच्चों को एक-एक कर के अपने पास बुलाएँ और उन्हें पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चा पढ़ना शुरू कर दे तो मोबाइल का टाइमर शुरू करें।
- एक मिनट होने पर टाइमर रोक दें और जहाँ तक बच्चे ने पढ़ा है, वहाँ पर बच्चे की अभ्यास पुस्तिका में कोष्टक ']' लगा दें।
- बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उन्हें गिनकर सही पढ़े गए शब्दों के खाने में लिख दें।
- बच्चे के स्तर के अनुसार दी गई टेबल में स्तर दर्ज करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने में भाग लिया?
- क्या सभी बच्चे सहजता के साथ पढ़ पा रहे थे?

सप्ताह-14 दिवस-5

खंड-1

मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

मौखिक भाषा विकास: सृजनात्मक गतिविधि - स्कूल के अन्दर

तैयारी और सामग्री

- सभी बच्चों के पास भरकर लाये गए नमूने।
- सवालों की सूची तैयार रखें।
- प्रस्तुतिकरण के बिंदु पहले ही बच्चों को बता दें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- शिक्षक खुद भी एक नमूना भरकर अपने पास रखें।
- सभी बच्चों के प्रतिभाग को सुनिश्चित करें।

प्रक्रिया

- पिछले सप्ताह कराई गई गतिविधि को एक बार याद दिलाएँ और पूछें कि उन्होंने पिछले हफ्ते क्या किया था? किस बारे में सूचना इकट्ठा की थी? 3-4 बच्चों से इस बारे में पूरी कक्षा को बताने के लिए कहें।
- बच्चों से सर्वे की गई शीट को निकालने के लिए कहें। उनसे पूछें कि आप कक्षा-4 और 5 के बच्चों से बात कर पाए? कितने बच्चों से बात की?
- अब सभी बच्चों को 5-5 के समूह में बाँट दें और उन्हें 5 मिनट के लिए चर्चा करने के लिए कहें।
- सर्वे के नमूने को बोर्ड पर बनाए किसी एक समूह से डाटा पूछें और उसे बोर्ड में बनाई गई तालिका में भरें। अब उस तालिका को सभी बच्चों को पढ़कर बताएँ और उनसे पूछे गए सवालों को बोर्ड पर बने तालिका में देने के लिए कहें।
- बच्चों को अपने-अपने समूह को इसी प्रकार प्रस्तुति करने के लिए कहें। उन्हें प्रस्तुतिकरण में निम्न बिन्दु बताने होंगे कि कितने बच्चों से जानकारी इकट्ठी की? कितने बच्चे स्कूल से जाने के बाद खेलते हैं? क्या खेलते हैं? कौन-सा खेल सबसे ज्यादा खेला गया? चौथी के कितने बच्चे थे और पाँचवीं के कितने बच्चे थे, जिनसे डेटा लिया?
- इसी तरह बाकी समूह को भी आने के लिए कहें और अपना डेटा प्रस्तुत करने के लिए कहें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

डिकोडिंग, अभ्यास पुस्तिका आधारित पठन एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)

पुनरावृत्ति और आकलन: अभ्यास पुस्तिका 'नई महक' के पाठ-60 पर कार्य और आकलन पत्रक पर कार्य

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक, 'महक' अभ्यास पुस्तिका, वर्ण कार्ड
- आकलन पत्रक पढ़कर योजना बना लें।
- जिन बच्चों का आकलन हो चुका है, उनके लिए योजना तैयार रखें।
- पुनरावृत्ति और आकलन के लिए संदर्शिका का नोट अच्छे से पढ़ लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों को आकलन के दबाव में न आने दें।
- बच्चों द्वारा उनकी कमियाँ न बताकर उनको सुधार के सुझाव दें और प्रोत्साहन दें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी के पास लेखन की उचित सामग्री हो।
- आकलन के रिकॉर्ड के लिए संदर्शिका पास में रखें।

प्रक्रिया

पुनरावृत्ति

- सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका के पाठ-60 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को पाठ में दिए टेक्स्ट को उचित हाव-भाव से पढ़कर सुनाएँ।
- अब पाठ को जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें। इसके लिए बच्चो को 5-10 मिनट का समय दें।
- पाठ पढ़ लेने के बाद सभी को आगे के पाठ पर कार्य के निर्देशों को समझाएँ और चर्चा करें। सभी को कार्य करने दें।

आकलन

- आप सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका से उस सप्ताह के पाठ पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें, बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही पढ़े गए शब्दों को गिनकर एक छोटा-सा निशान लगा दें और प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (-) का चिन्ह लगा दें। आप शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 45-46 पर बच्चों के स्तर नोट करते जाएँ।
- पाठ पढ़ने के बाद बच्चों से प्रश्न पूछें और सही बताए गए प्रश्नों के आगे अंक नोट करें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या सभी बच्चे पाठ या किताब को पढ़ पाए?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ। आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड-3

पठन अभ्यास

स्वतंत्र पठन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरिज की किताबें या अन्य कहानियों की किताबें

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें।
- उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों का आकलन डिकोडिंग खंड में नहीं हुआ है, उनका आकलन करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या सभी बच्चे पाठ या किताब को पढ़ पाए?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें अतिरिक्त अभ्यास दें और उनके स्तर के अनुसार उनसे कार्य करवाएँ। आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

सप्ताह-14 दिवस-6 खंड-1

मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30 मिनट)

मौखिक भाषा विकास: कहानी सुनाना और अभिनय

तैयारी और सामग्री

- कौन-सा समूह किस क्रम में प्रस्तुति देगा, पहले से बच्चों के साथ मिलकर तय कर लें।
- प्रस्तुतिकरण पर जिन प्रश्नों के माध्यम से चर्चा की जानी है, उन्हें डायरी में नोट कर लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- किसी कहानी को नाटक के रूप में अभिनय करना एक उपयोगी भाषाई कौशल है। अभिनय करते हुए बच्चे उस पात्र के नजरिए से भी कहानी को समझ रहे होते हैं। इससे संवेदनशीलता और अन्य नजरिए से किसी घटना को समझने जैसे कौशल विकसित होते हैं।

प्रक्रिया

अभिनय करना

- बच्चों को पिछले सप्ताहों में पढ़ी-सुनी कहानियों के नाम याद दिलाएँ और प्रत्येक समूह को अपने लिए एक कहानी चुनने के लिए कहें।
- चुनी हुई कहानी पर बच्चों को अभिनय करने के लिए प्रेरित करें। पात्र चुनने, संवाद गढ़ने, आस-पास मौजूद वस्तुओं का उपयोग करने (प्रोपर्टी के तौर पर) में मदद और मार्गदर्शन करें।
- बच्चों को संवाद गढ़ते समय अपनी घर की भाषा इस्तेमाल करने का मौका दें। ये संवाद बच्चे मौखिक गढ़ेंगे, इस कार्य में उनकी मदद करें, जैसे- कहानी में बिल्ली पात्र है तो वह कैसे बोलेगी, क्या बोलेगी, कैसे चलेगी, उसके हाव-भाव कैसे होंगे?, इत्यादि।
- शुरुआती कहानियों पर अभिनय करते समय एक पात्र शिक्षक स्वयं भी चुनें। इससे बच्चों को पूरी प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी व उनकी झिझक दूर होगी।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

खंड-2

डिकोडिंग, अभ्यास पुस्तिका आधारित पठन एवं सम्बंधित लेखन (40 मिनट)

आकलन के आधार पर रेमेडियल कार्य

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- दिवस 5 में किए गए आकलन के आधार पर समूह की जानकारी रखें।
- बच्चों के लिए यदि अतिरिक्त सामग्री की आवश्यकता है तो इसे तैयार रखे।

प्रक्रिया

- शिक्षक 50% से कम और ज्यादा के आधार पर बच्चों को समूह-1 और समूह- 2 में बाँटें।
- समूह-1 के साथ बच्चों के साथ वर्ण/अक्षर पहचान, शब्द पठन और वाक्य पठन पर कार्य करें।
- समूह-2 के साथ इन बच्चों की जोड़ियाँ बनाएँ, उन्हें पाठ पढ़ने को दें और आकलन पत्रक में दिए प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें।

खंड-3

पठन अभ्यास

स्वतंत्र पठन

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका 'नई महक'
- पुस्तकालय की किताबें, बरखा सीरिज की किताबें या अन्य कहानियों की किताबें

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों के स्तर के अनुसार किताबें उपलब्ध रहें।

प्रक्रिया

- बच्चों को उनकी पसंद की किताबें चुनने के लिए कहें और उन्हें स्वतंत्र रूप से पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- बच्चों को उनके स्तर की किताबों को चुनने में सहायता करें और उन्हें पढ़ने में मदद करें। आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को जोड़ी बनाकर पढ़ने के लिए भी कह सकते हैं।
- जिन बच्चों के साथ रेमेडियल का कार्य करने की और आवश्यकता है, उनके साथ रेमेडियल का कार्य करते रहें और बाकी बच्चों को स्वतंत्र पठन करने दें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- क्या उपलब्ध किताबें या सामग्री बच्चों के लिए रोचक व उनके स्तर की थीं? यदि नहीं तो यह चिन्हित करें कि बच्चों को किस प्रकार की किताबें पसंद आ रही थीं।
- यदि नहीं तो उन बच्चों को पहचानकर उन्हें आगे के कार्य के लिए प्रोत्साहित करें और अगली बार उनकी सक्रिय भागीदारी की योजना बनाएँ।

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

सप्ताह 1-8
दिवस 6

सप्ताह 1–8 में डिकोडिंग संबंधित दक्षताओं का आकलन किया जाएगा। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर बच्चों का समूह दर्ज करें।

डिकोडिंग

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।
- पाठ 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर जो बच्चे स्तर–1 पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर–2 पर हैं, उनके लिए 2 लिखें।

मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

- अपने अनुभव या किसी घटना के बारे में बोल पाना/अपने विचार रख पाना।
- डिकोडिंग के साथ-साथ मौखिक भाषा विकास से संबंधित अवलोकन नियमित रूप से करें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उनके नाम के आगे '–' चिह्न और जिन बच्चों को मदद की आवश्यकता नहीं है उनके नाम के आगे '✓' का चिह्न लगाएँ।

सप्ताह 9 से आगे के लिए अगला पृष्ठ देखें।

क्रम	बच्चों के नाम	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12	
1																									
2																									
3																									
4																									
5																									
6																									
7																									
8																									
9																									
10																									
11																									
12																									
13																									
14																									
15																									
16																									
17																									
18																									
19																									
20																									

नोट – अगर कक्षा में बच्चों की संख्या 20 से अधिक हो तो शिक्षक अतिरिक्त शीट का उपयोग करें।

सप्ताह 9–24
दिवस 6

सप्ताह 9–24 में पाठ पढ़कर समझने से संबंधित दक्षताओं का आकलन किया जाएगा। इसके तहत दो दक्षताओं का आकलन होगा– 1. पाठ पढ़ पाना 2. पढ़कर प्रश्नों के मौखिक रूप से उत्तर दे पाना। इन दोनों दक्षताओं के अंक के लिए अलग-अलग मापदंड हैं, उसे समझ लें। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के प्राप्तांकों के आधार पर जो बच्चे स्तर–1 पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर–2 पर हैं, उनके लिए 2 लिखें।

पठन

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

पाठ समझना

- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना।

क्रम	बच्चों के नाम	13		14		15		16		17		18		19		21		22		23		24	
1																							
2																							
3																							
4																							
5																							
6																							
7																							
8																							
9																							
10																							
11																							
12																							
13																							
14																							
15																							
16																							
17																							
18																							
19																							
20																							

नोट – अगर कक्षा में बच्चों की संख्या 20 से अधिक हो तो शिक्षक अतिरिक्त शीट का उपयोग करें।

प्रवाहपूर्ण पठन आकलन ट्रैकर

क्र.	बच्चों के नाम	परिणाम	सप्ताह														
			9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	21	22	23	24
1		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
2		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
3		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
4		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
5		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
6		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
7		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
8		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
9		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
10		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															

क्र.	बच्चों के नाम	परिणाम	सप्ताह														
			9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	21	22	23	24
11		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
12		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
13		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
14		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
15		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
16		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
17		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
18		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
19		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															
20		सही शब्दों की सं.															
		स्तर															

नोट – अगर कक्षा में बच्चों की संख्या 15 से अधिक हो तो शिक्षक अतिरिक्त शीट का उपयोग करें।

सावधिक आकलन के बाद शिक्षक विद्यार्थी की स्किल पासबुक भरें। हर दक्षता के लिए ट्रैकर में मार्क करने हेतु तय किए गए मार्क **हाँ - Y, आंशिक - P और नहीं - N ।**

सप्ताह 11

सावधिक आकलन-1

S. R. N.	विद्यार्थी का नाम	लिंग: स्त्री/पुरुष	सावधिक आकलन 1 हेतु निर्धारित दक्षताएँ													
			कविता/बालगीत का हाव-भाव सहित वाचन करना।	कहानी/पाठ से जुड़े सरल प्रश्नों के उत्तर बताना।	कल्पना और तर्क आधारित प्रश्नों के उत्तर देना।	सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में बताना।	दैनिक जीवन में काम आने वाले शब्दों के अर्थ बताना और उनका प्रयोग/उपयोग करना।	तुकबंदी वाले शब्दों की जानकारी होना।	शब्दों से वाक्य बनाना।	अपने अनुभवों को हिंदी या मिश्रित (हिंदी और स्थानीय मिली-जुली) भाषा में 4-5 वाक्यों में बता पाना।	वर्णमाला के सभी वर्णों और मात्राओं की पहचान करना।	3-4 अक्षरों के शब्दों को शुद्धता के साथ पढ़ना।	वर्ग पहेली से शब्द छाँटना।	छोटे पाठ/कहानी (30-40 शब्द वाले) को पढ़कर समझना।	लिखे हुए सरल निर्देश, सूचना और संदेश को पढ़कर समझ सकते हैं और उनके बारे में दूसरों को बता सकते हैं।	दैनिक जीवन में काम आने वाले चीज़ों के नाम (जैसे फलों, मिठाइयों, जानवरों, खेलों, इत्यादि) लिख सकते हैं और उनके बारे में दूसरों को 2-3 वाक्यों में बता सकते हैं।
			HIN301	HIN301	HIN301	HIN303	HIN313	HIN313	HIN313	HIN304	HIN306	HIN306	HIN306	HIN307	HIN308	HIN309
1																
2																
3																
4																
5																
6																
7																
8																
9																
10																
11																
12																
13																
14																
15																
16																
17																
18																
19																

नोट: शिक्षक कक्षा में बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ और बच्चों का आकलन डाटा भरें। बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

सावधिक आकलन-2

सप्ताह 20

S. R. N.	विद्यार्थी का नाम	लिंग: स्त्री/पुरुष	सावधिक आकलन-2 हेतु निर्धारित दक्षताएँ															
			बोध (समझ) आधारित प्रश्नों के तर्कपूर्ण उत्तर देना।	कविता/कहानी/बातचीत में आये शब्दों के अर्थ बताना और बातचीत में उपयोग कर पाना।	विलोम शब्दों की समझ होना।	लिंग और वचन को वाक्यों में समझना और उपयोग कर पाना।	जिज्ञासा शांत करने हेतु प्रश्न पूछना।	अधूरी कहानी पूरी करना और कहानी को आगे बढ़ाना।	किसी कहानी/पाठ के तथ्यों पर कल्पना करते हुए अनुमान लगाना।	पहेलियों का तर्कपूर्ण जवाब देना।	कविता का भाव समझते हुए एक-दो पंक्तियों में बताना।	विभिन्न चित्रों को जोड़कर कहानी को क्रम में बता पाना।	कहानी/पाठ की घटनाओं को सही क्रम में जमाना/लिखना।	अनुस्वार व अनुनासिक में अंतर की समझ होना।	पाठ में निहित अर्थ को समझते हुए प्रतिक्रिया देना (जैसे तर्क के साथ अपनी सहमति, असहमति या राय देना)।	अपने अनुभव जैसे यात्रा, खेल, मेला, इत्यादि के बारे में 2-3 वाक्य लिख पाना।	सुनी हुई कहानी को कुछ वाक्यों में लिख पाना।	योजक व सभी विराम चिन्हों की जानकारी व उनका प्रयोग करना।
			HIN301	HIN313	HIN313	HIN312	HIN302	HIN302	HIN302	HIN302	HIN302	HIN305	HIN303	HIN306	HIN310	HIN311	HIN311	HIN314
1																		
2																		
3																		
4																		
5																		
6																		
7																		
8																		
9																		
10																		
11																		
12																		
13																		
14																		
15																		
16																		
17																		
18																		
19																		

नोट: शिक्षक कक्षा में बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ और बच्चों का आकलन डाटा भरें। बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

सत्र के अंत में

वार्षिक आकलन

S. R. N.	विद्यार्थी का नाम	लिंगः स्त्री/पुरुष	वार्षिक आकलन हेतु निर्धारित दक्षताएँ													
			विद्यार्थी एक से अधिक घटनाक्रम एवं पात्रों वाली कहानी सुनकर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं और उसे अपने शब्दों में बता सकते हैं।	विद्यार्थी कहानी/कविता/सुनी गई बात के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं, प्रतिक्रिया दे सकते हैं और अपनी कल्पना तथा नई शब्दावली का प्रयोग करते हुए उसे आगे बढ़ा सकते हैं।	विद्यार्थी कहानी की परिस्थिति, पात्रों, घटनाओं के सही क्रम व सही अंत के साथ पुनः सुना सकते हैं।	विद्यार्थी अपने आस-पास होने वाले घटना/यात्रा एवं त्योहार संबंधी अपने अनुभवों को हिंदी में 8–10 वाक्यों में बता सकते हैं।	विद्यार्थी अधिक परिष्कृत व जटिल शब्दावली और वाक्य संरचना का इस्तेमाल करते हुए चित्रों पर आधारित किसी कहानी को सुना सकते हैं।	विद्यार्थी अपरिचित शब्दों, जिनमें संयुक्ताक्षरों से बने व बहु-अक्षरीय शब्द भी शामिल हैं, को शुद्धता के साथ पढ़ सकते हैं।	विद्यार्थी एक/दो पेज की (18–20 वाक्यों)/तीन/चार पेज की कहानी/पाठ/कविता को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, शुद्धता एवं प्रवाह के साथ पढ़ कर समझ सकते हैं।	विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की सरल पाठ्य सामग्री (चिट्ठी/पत्र, अखबार, होर्डिंग्स, सूचना, सूचना पट्ट, निर्देश) को पढ़-पढ़कर समझते हैं और उस पर आधारित प्रश्नों के जवाब मौखिक दे सकते हैं।	विद्यार्थी स्वेच्छा से अथवा शिक्षक के द्वारा दिए गए विषय/किसी चित्र पर 5–7 वाक्य लिख सकते हैं।	विद्यार्थी पढ़ी हुई कहानी/पाठ/कविता पर आधारित प्रश्नों के जवाब 2–3 वाक्यों में दे सकते हैं। (तथ्यात्मक, क्यों एवं कल्पना वाले प्रश्न)	विद्यार्थी 5–7 वाक्यों की छोटी कहानी को सुनकर/पढ़कर अपने शब्दों में लिख सकते हैं।	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, मुहावरों का संदर्भ में प्रयोग को समझ सकते हैं।	विद्यार्थी मिलते-जुलते शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, देशज शब्द, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द के प्रयोग को समझ सकते हैं तथा इनका प्रयोग कर सकते हैं।	विद्यार्थी पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक एवं योजक- इन विराम चिन्हों को पहचान सकते हैं और इनका लेखन में प्रयोग कर सकते हैं।
			HIN301	HIN302	HIN303	HIN304	HIN305	HIN306	HIN307	HIN308	HIN309	HIN310	HIN311	HIN312	HIN313	HIN314
1																
2																
3																
4																
5																
6																
7																
8																
9																
10																
11																
12																
13																
14																
15																
16																
17																
18																
19																

नोटः शिक्षक कक्षा में बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ और बच्चों का आकलन डाटा भरें। बच्चों की संख्या के अनुसार इस प्रपत्र को आकलन पंजिका में बनाएँ।

प्रिंट-रिच वातावरण

पढ़ने-लिखने के शुरूआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग-अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीज़ें मिलती हैं, उनका पढ़ना उतना ही रोचक हो जाता है। समृद्ध कक्षा-कक्ष बच्चों के पढ़ने-लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है। ऐसा वातावरण उन बच्चों को और ज़्यादा मदद करता है, जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

1. किताबों का कोना

बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उन्हें लेकर देख सकें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र-चार्ट

इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएँ। चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है।

3. कविता/कहानी पोस्टर

इन्हें दीवारों पर लगाएँ। ज़मीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख/पढ़ सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज पर लिखकर प्रत्येक वस्तु पर चिपकाएँ जा सकते हैं। जैसे- दरवाजा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएँ या टाँग दें।

6. शब्द दीवार

दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं - जैसे बच्चों के नाम, जन्मदिन चार्ट, स्थानीय शब्द, कहानी/कविता के शब्द आदि।

कक्षा-कक्ष प्रबंधन

बेहतर कक्षा प्रबंधन एक रणनीति है जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही शिक्षण प्रक्रिया से जोड़कर रखती है। प्रभावी कक्षा प्रबंधन वह है जो बच्चों को सीखने में मदद करें। जैसे शिक्षक का दोस्ताना व्यवहार, कक्षा का खुशनुमा वातावरण, अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग, गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन/नियोजन आदि ।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन के मुख्य बिंदु-

1. बैठक व्यवस्था

- बैठक की व्यवस्था, कक्षा-कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार हो जैसे, गोल घेरे में बैठना, छोटे-छोटे समूहों में बैठना।
- शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें।
- ऐसे ही बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें।

3. सहज वातावरण

- कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें।
- कक्षा-व्यवस्था संबंधी नियमों को आप बच्चों के साथ मिलकर तय करें।
- शिक्षण कार्य के दौरान, आप बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतजार का समय' (Wait Time) और 'काम का समय' (time on task) कितना मिला।
- इंतजार का समय वह समय होता है, जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- जिन शिक्षण सामग्रियों को काम में लेना है, उन्हें पहले से ही इकठ्ठा कर लें।
- शिक्षण योजना को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़ें एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय-संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्

निपुण हरियाणा शैक्षणिक प्रकोष्ठ, छठा तल, शिक्षा सदन, सेक्टर 5, पंचकूला, हरियाणा

Website: www.harprathmik.gov.in

Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

CENTRAL SQUARE FOUNDATION